कुड़मालि लोक-कथा

डॉ. वृंदावन महतो



BVP - 1989
19/3/18

9/13

कुड़मालि
लक-काथा

डॉ. वृंदावन महतो
प्राध्यापक, मारवाड़ी महाविद्यालय
राँची (झारखण्ड)

PYARA
FOUNDATION

प्यारा केरकेट्टा फाउण्डेशन
राँची (झारखण्ड)

मूल्य : 80 रुपये

प्रथम संस्करण : जनवरी, 2011
ISBN : 978-93-81056-26-4

प्रकाशक : प्यारा केरकेट्टा फाउण्डेशन
चेशायर होम रोड, बरियातु, राँची - 834009 झारखण्ड
दूरभाष : 9234678580, 0651-2562565
ई-मेल : pkfranchi@gmail.com
वेब पता : www.kharia.in

आवरण : आम (झारखण्ड) 9234301671
टाईप सेटिंग : संतोष सिंह
मुद्रक : कैलाश पेपर एंड कनवर्सन, राँची

KURMALI LAK KATHA
by Dr. Vrindavan Mahto

एक-टुम

कुड़मालि लक-काथा हाजार हाजार आहेइक। इटा एकटा छुटु मुटु खांखुस जे, कए एकटा सुन केहनि निमुंद हिसाबे देअल आहेइक। बुड़हा पुरखाक ताहां ले अनेक अनेक केहनि सुनल रहं मिनतुक जएटा मने हेलि तए टा राखल आहं। जए रकम कर लक-काथा आहेइक बा देउअल आहेइक उटांइअ सभे रकम कर काथा नि देल आहेइक। भासा माहान काहुं काहुं भुलअ हे पारेइक। लिखेक माहान कुड़मालि/कुरमाली हेल आहेइक आर लक-काथा/लोक-काथाउ हेल हेतेइक।

पढुआ के पढ़ेक खने बा जानेक हले निजेक माथा लागाइके पढ़े आर जाने हेतेइक। इटा एकटा कुड़मालि भासांइ निमुंद हेलेइक। मटा मटा हामरा जान केहनि आर सुन केहनि गिलिनके लक-काथा कहिहक। ताकरअ माहान जदि काकरअ सरिजल जेटा गेआन बिगान निति, धरम, आचार बिचार, नेग नेगाचार संगे जड़ल आहेइक, सेटाके गटा सामाजे मानि लेत सेइ टाइ लक-काथा कहा जाइक। इ लोक कथा गिला सहज कुड़मालि भाषाएं लिखल आहे। ठेठ कुड़मालिञ लिखाल नेखेइक। ताउ जदि काहुं भुल आहेइक ता हले सुधराएके पढ़ेक कसनि करबेहेन।

नेहरे

डॉ. वृन्दावन महतो

झारखंडी समाज कर जिएंत झांकी आहेइक कुड़मालि लकसाहिते

लोक साहित कर अभिप्राय असन साहित संग आहेइक जाकर रचना लोक दारा हेइक। लोक जीवनेक जेसन सरलतम, नैसर्गिक अनुभूतिमयी अभिव्यंजना कर चित्रण लोक-गीते आर लोक-कथाएँ पाउआइक, तेसन आन बाटे दुर्लभ आहेइक। लोक साहित माहान लोक-मानव कर रिदए कहेइक। प्रकृति निजेइ गाउअए-गुनगुनाए। लोक-साहिते निहित सौंदर्य कर मूल्यांकन सर्वथा अनुभूति जन्य आहेइक। लोक साहित अतनाइ प्राचीन आहेइक जतना कि मानुस, एहे माहान जन-जीवन कर प्रत्येक अवस्था प्रत्येक वर्ग, प्रत्येक समय आर प्रकृति सभे टाइ समाहित आहेइक। डॉ. सत्येन्द्रेक अनुसारे- ''लोक मनुष्य समाज कर उ वर्ग हेकइक जेंए अभिजात्य संस्कार शास्त्रीयता आर पांडित्य कर चेतना अथवा अहंकार ले शून्य आहेइक आर जे एक परंपरा कर प्रवाह माहान जीवित आहेइक''।

साधारन जनता कर संग संबधित साहित के लोक-साहित कहेक चाहि। साधारन जन-जीवन विशिष्ट जीवन लेक भिनु हेइक अहे माहान जन साहित (लोक साहित) कर आदर्श विशिष्ट साहित लेक आलादा हेइक। कनअ देश बा क्षेत्र कर लोक साहित हुआँ कर आदि काल ले लेकरि एखन तक कर उ सभे प्रवृतिकर प्रतीक हेइक जे साधारन जन स्वभाव कर अन्तर्गत आउएइक। इ साहिते जन जीवनेक सभे रकमेक भाभनाएँ बिना कनअ कृत्रिमताए सामाल रहेइकला। यदि काहुँकर समूची संस्कृति कर अध्ययन करे हेइक ता हले हुँआकर लोक साहित के विशेष भाभे अवलोकन करे हेइक। इगिला लिपिबद्ध बेजाञ कम आर मौखिक बेसी हेइक। एसे त हिन्दी लोक साहित के लिपि बद्ध करेक प्रयास हेदें किछु बछर ले हे लागल

आहेइक आर अनेक ग्रंथअ संपादित रूपे सामने आउअल आहेइक मिनतुक एखन तक मौखिक लोक साहित बेजाञ मात्रा माहान असंगृहीत आहेइक।

आदि काल ले श्रुति एवं स्मृति कर साहारा माहान बाँचाल लोक साहित कर किछु विशेष सिद्धांत आहेइक। इ साहिते मुख्य रूपे असन रचनाइ स्वीकार करल जाइक बा जीबन पाउएइक जेंए नाना कंठे नाना रूपे बनी-बगड़ी एकटा सर्वमान्य रूप धारण करि लेइक। इ रचनाक्रम आदि काल ले आइजअ तक जारी आहेइक। एसन बेजाञन साहितिक सामग्री आइजअ प्रचलित आहेइक जेटाएँ एखन एक रूप ग्रहण करे नि पारल आहेइक। परंपरागत एवं सामुहिक प्रतिभाक दारा निर्मित कर कारण बिदुआने लोक साहित के "अपौरुषेय" कर संज्ञा देले आथिक। इटा त हँ काथाइ जे परंपरागत लोक साहित कनअ एक लगेक रचनाक परिणाम ना लागेइक। एसे त एकर निमुंद बेजाञ देल जाए पाराइक जे एक गित, काथा बा कहावत एक जाएगा माहान जे रूपे हेइक दसर जाएगा जाते जाते उटाकर रूप बदलि जाइक। एसन कामे लोक प्रवृति कनअ प्रतिबंध के स्वीकार नि करेइक। स्फुट गिते केबल डॉड़िए हेंदे-हुंदे हेइक मिनतुक प्रबंध गिते (गाथाओं) एवं काथा माहान घटनाउ पालटाते जाइक। परिणाम आर लोक प्रचलित सत्य आर तथ्य के आधार मानिके घटनाचक्र मन मोताबिक संगे चालाल जाइक।

लोक साहित कर सउब ले बड़े विशेषता जे इ अनेक रूपे रहेइतकउ अनेकता माहान एकता कर भाभनाए युक्त रहेइकला। भाषा कर कलेवर के बदलअलउ भाव पक्ष माहान कनअ परिवर्तन नि देखाइक। एकटाइ रचना जे कनअ स्थाने हुआँकर बोली माहान पाउआल जाइक सेइ टाइ बेजाञ धुर दसर बोली माहान पाउआल जाइक। स्फुट गितेक भाव एवं प्रबंधेक काथा कर इ जातरा कखनअ-कखनअ त एतना ढाँगा हेइक जे आचमभित हेउआइक। क्षेत्र आर देश कर सीमा लगे भले निर्धारित करत मिनतुक लोक साहिते इटा स्वीकर नि करेइक। एसन शायद अहे माहान संभव हेलेइक जे

जातराक क्रम माहान प्राचीन मानव जखन धुर-धुर जाए लागला तखन आपन साहित संगे लेले गेले हेता। आर संभव जे पहँचल जाएगा टाएँ छाप छाड़ले हेता आर हुआँक लगे स्वीकार करल हेता। इ क्रम एखनअ जारी आहेइक। लोक सहिते बनाउ-बिगड़ाउ आर परिवर्तन साराखन चलते आहेइक।

झारखंडेक लोक साहितउ एहे रकम कर प्रवृतिक अनुसरण आहेइक। आदिवासी आर सदान कर मेल-जोले बनल झारखंड कर जनजीवन प्रकृतिक संगे अभिन्न रूपे जड़ाल आहेइक। ताकरे जालाँए साभाभिक हिजाक लोक साहिते प्रकृति प्रेम सउब ले बेसि चित्रित हेल आहेइक। जाहाँ तक कुड़मालि लोक साहित कर काथा आहेइक जे कुड़मालि कुड़मी कर भासा हेकेइक अहे माहान अखर लोक साहिते कृषि संबंधी जीवानानुभावेक वर्णन बहुताएत हेल आहेइक। प्रस्तुत पुस्तक कर इ दृष्टि माहान अत्यन्त महत्व आहेइक। इ झारखंडी लोक साहित विशेषकरि कुड़मालि लोक साहित कर अध्ययन परंपरा के अग्रगति प्रदान कर धेआन सउब ले बेसी 19 वीं सदी ले लेकरि एखन तक आदिवासी लोक साहित माहान हे लागल आहेइक। झारखंडेक सदान माहान नागपुरी लोक साहिते जतना काम हेल आहेइक अतना काम कुड़मालि, पंचपरगनिया आर खोरठाएँ नि हेल हेतेइक। एसन माहान कुड़मालि भाषा साहित अनुरागी डॉ वृंदावन महतो कर इ रचना कुड़मालि लोक साहित के संरक्षण आर अकर अध्ययन कर खातिर विशिष्ट त आहेइकेइ मिनतुक छात्र आर पढुआक खातिरअ अत्यंत उपयोगि आहेइक। मके विसास आहेइक जे लोक साहित कर एक भाग लोक-काथा डॉ. महतो कर दुसर पुस्तक टाउ समाजे हृदये ले स्वागत करता।

अश्विनी कुमार पंकज

कुड़मालि विद्वान आर चिंतक

बसंत कुमार मेहता

कर इयाइदे

जगानेक पथि -

1. लोक-साहित्य की भूमिका - डॉ कृष्णादेव उपाध्याय
2. लोक साहित्य - सिद्धान्त और प्रयोग - डॉ. श्री राम शर्मा
3. कुरमाली लोक-कथाओ कथानाक रूढ़ियाँ - डॉ. एच. एन. सिंह
4. नागपुरी लोक साहित्य - डॉ. भुवनेश्वर अनुज
5. झारखंडेर लोक साहित्य - डॉ. बंकिम चन्द्र महतो
6. हो लोक-कथाः एक अनुशीलन - डॉ. आदित्य प्रसाद सिन्हा
7. लोक साहित्यः समीक्षा - डॉ. कृष्णदेव शर्मा
8. जन जाति परिचिति- लक्ष्मीकान्त मुतरूआर

विषयक्रम

कुड़मालि लक-काथा (एक नजर)

कुड़मिक सामाइनअ परिचए - झारखंडे कुरमी / कुड़मि कबिला एरा आदि निबासि। मुंडा, संथाल, हो, खड़िया आदि जनजाति लेखेन कुड़मिअ जनजाति। आइज सरकारे मुंडा, संथाल, हो खड़िया, उराँअ आदि के अनुसुचित जन जातिक दरजांइए राखल आहेइन, मनतुक कुड़मिके अनुसुचित लेक छिनगाल आहेइन। झारखंडे मुंडा, उराँअ, हो, संथाल खड़िया कुड़मि, भोक्ता, बेंटाकार, ढांगर, पातर हेन - तेन संग - सतिंबर 1956 तक रहत। एखरा के समइ - समइए प्रिमिटिब ट्राइब्स, एबोरजिलन ट्राइब्स, आर इंडिजिनिअस पिपुल्स कहेइत रहथिन। हो, मुड़ा, संथाल खड़िया संग कुड़मिक बसअबास आदिम जुग ले आहेइन। आर इटाउ अहेइक जे इ जाइत ले आघु झारखंडे कुड़मिक बसअबास आहेइक। इ सउब कलारिअन गुरूप कर लग कहाइत रहत।

अरजअ रांए जखन बेद सासतअ बनाला तखन इ जाइत गिलिन के छाड़ि देलथिन कारण बेदेक आधारे एखर कनअ निमुंद नेखेइक।

"अहे माहान काथांइए आहेइक
कल, कुड़मि कड़ा,
बेद सासतरअ छाड़ा।"

इ गिलिन के बेद ससतरेक संगे कनअ मतलब नि रहेइन। ना त बेद सासतरअ महान एखराक कनअ बाखान आहेइन। ना बेदेक अनुसार रिति

- रिउआज, पुजा - पाठ हेइन। आसते-आसते जुग बदलअते गेलेइक आर

मुंडा कबिला बन संसकिरिति संग परभाउइत हेला आर कुड़मि कबिला किरिसि संसकिरिति संग परभाउइत हेला। आगुक बेरांइ सभे बनेक माझेइ रहेइत रहत। अहे माहान लक / काथांइ बनेक जिउ - जंतु, राइकस हेन - तेन कर काथा पाउआइक। केउ - केउ बिदुआने कुड़मिके 'अनारजअ' दड़बिड़ संग जड़िके देखल आथिन, कुड़मि कबिलाक भासा आन कबिलाक निआर जातिगत भासा कुड़मालि / कुड़मि हेकेइक, जेसन - मुण्डा - मुण्डारी, संथाल - संथाली, हो - हो, खड़िया - खड़िया तेसने कुड़मि - कुड़मालि आहेइक। इ भासा गिलिन, माने जातिगत भासा गिलिन 'आरजअ' भासा परिबारेक भासा ना लागेइक। मनतुक कुड़मालि भासाके केउ - केउ बिदुआने 'आरजअ' भासा परिबारेक भितरे राखल आथिक। इटाक एखन तक बेस के खज हेल नेखेइक जेएं आरजअ भासा परिबारेक कहलाक सेंए बधे उपर - उपर देखलाक। पेहिले कहल गेल आइक जे 'कुड़मि' अनुसुचित नेखत छाड़ाल आहात। मनतुक जनजाति त आहात। अनुसुचि हेउआ आर जनजाति दुइ टा दुइ रकमकर जिनिस हेकेइक। 'जनजातिअ एवं छेतरिअ भासा बिभागे कांहुका नि लिखल आहेइक जे बिभाग कर नाम अनुसुचित जनजाति एबं छेतरिअ भासा बिभाग। एहे महान कुड़मालि / कुरमाली भासाके जनजाति भासाक भितरे राखा उचित।

बिभाग कर पेहिलेक नाम क्षेत्रीय एवं जनजाति भाषा विभाग रहेइक। कुड़मिके अनुसुचित नि हेल देखि के कुड़मालि / कुरमाली भासा कउ जनजाति भासा ले हाटाइ के छेतरिअ भासा माहान राखल आहात। जेटा एक बारेइ भुल हेकेइक। ताकर माने काइल जदि मुंडा जाति अनुसुचित ले कनअ रकम हाटता हलें जनजातिअ नि रहता न किना? इगिला अहे बिदुआनेक मत जाखर गहन अइधन नेखेइन आर नि हले जानि - बुझि लगके बका बनाथिन। आइज बिभागे जनजातिअ भासा महान - मुण्डारी,

हो, संथाली, कुड़ुख, खड़िया माने सभे जातिगत भासा गिला आहेइक (कुड़मालि छाड़िके) आर छतरिअ माहान - नागपुरी, पंचपरगनिया, खोरठा हिंआ कुड़मालिके राखल आथिक। जेटा भुल हे पारेइक। अहे महान मर हिसाबे जनजातिअ भासाक भितरे - मुण्डारी, हो, कुड़ुख, संथाली, खड़िया, कुड़मालिके राखा चाहि आर छेतरिअ भासाक भितरे - नागपुरी, पंचपरगनिया, खोरठा गिला। काहे इ गिला निसचित छेतरअ माहान कहल जाइक आर इ भासा गिलिने कनअ जाइतेक बउध नि हेइक।

जाइ हेउक, कुड़मालि एकटा समरिध भासा हेकेइक। एकर लक - साहित बेजाञन - बिकसित आहेइक। एहे देखि के डा. डी. एन. साहाए कहेइस - 'कुड़मि, झारखंडेक संस्कृतिक मुल धारक, बाहक आर पअसक हेकत।'

मुंडा, माँझि, मानकि निआर महतअ ग्राम - परधान आहात। कुड़मिक मुल करमअ चास (खेति) आर मुल भासा कुड़मालि / कुरमाली।

कुड़मालि लक - साहित माहान, लकगित, लककाथा, पहेलि (जान - केहनि) लकउकतिकर बिराट भांड़ार आहेइक। एहे लक साहित कर एक भाग लककाथा हेकइक। लक - जिबन महान कुड़मालि लककाथाक बेजाञ माइन आहेइक। काथा कहेइआ - सुनेइआ बेसि भागे अनपढ़ गांउएक मुरुख कसटअ करि खाउआ लग रहतला। लककाथा बेसि भागे पेइहला सांइझे खाल बादे कनअ कुबाएं बा डुंड़काक धाइरे जाड़ेक दिने कहत। निरन मासे घारेक बाहिरे आनगांए खुला आकासेक हेंठे कहत। बुढ़ा बुढ़िञ राइते छउआके लेइ सुतेक खने कनअ जिउ, जंतु, भुत - पेरेत, राजा - रानिकर काथा कहि सुनाथिन।

पेहिले कहल आहेइक जे कुड़मि चासा हेकत। एखर कारबार खेत - गड़ा, खेरेइ, बन - झाड़, चेरेइ - चुनगुनि, जिउ - जंतु आर परकिरतिक दान पाहाड़, परबत, चांद, तारा, सुरुज संग बेसि भागे आहेइन। इ सउभ कर

काथाक माइधमे कुड़मिके बेजाञ ठेग पाउआल आहेइक। अहे माहान इ सउब के पुजा करे लागल आथिन। बेजाञन एसन काथा आहेइक, जेटाएं चांद - सुरुज, तारा, धरतिकर जनम केसे हेलेइक? एसने कुड़मालि लककाथांइ बेजांइ रकम कर गेआन - बिगेआनेक काथा भरल आहेइक।

कुड़मालि लक-काथांइ अचल, आबला कउ आपन निआर चेतनसिल मानल आथिन। पाहाड़ नेदि, बाघ - भालु, सांप, चेरेइ, चुनगनि, जंतु, जानबर, गाछ, बाघ, चांद - सुरुज, हेन तेन कउ नाएक नि हले, नाएक कर संगि मानि लेल आथिन। एहे कारने कुड़मालि लक-काथांइ इ सउभे पेआर आर आदर पाउअल आहात। बेजाञन काथांइ इ गिलिनकर बिहा - दानकर काथाउ कहल गेल आहेइक। बकलि चारका काहे! कउआ केरिया काहे! कुकुरेक पुंइछ बांका काहे, इ रकमकर केहनि पाउआइक।

कुड़मालि लक-काथा माहान अंध - बिसास, जादु - मंतरअ, झाड़ - फुंक, टना - टटका, भुत - पेरेत, चमतकार, लिलका चालाक, मुरुख हेन - तेन कर काथाउ पाउआइक। भुत, राइकस, चुड़िन, सात बेहनि जेसन अदभुत घटनाकर केहनि पाउआइक। झाड़ - फुंक, धुरा मंतरअ, गाछेक - पुजा, गाँउए पुजा एखनअ समाज महान जाइगा बनाल आहेइक।

सामाजिक काथा महान राजा-परजा, बाप-बेटा, तिरि-पुरुस, ननंद-भउजाइ, भाइ-भाइ, भाइ-बेहिन, सतमांइ आर करम काथा आहेइक।

आखिर माहान कहा जाइ पारेइक जे कुड़मालि लक-काथा माहान समाजेक आरथिक आर धारमिक बात कर बादउ चलल बेबसथा परथा - कु-परथा, रिति - रिआज, अंध बिसास, सरधा - भकति आचार बेबहार (हेन तेन गिलाक उजागर हेल आहेइक।)

कुड़मालि परमपरा माहान दिने केहनि कहेक रित नेखेइक। दिने केहनि कहले कहेइआक खासरा हेथिन नि हले काना हेत। इटाक पेछुञ बएगानिक कारन जे कुड़मिञ दिने काम काज करत बा सारा दिन कामे बांजु

हेल रहतला, अहे माहान दिने केहनि नि कहेक निअम बनाल आहात।

केहनि सुनेक पेहिल केहनि कहांइ सउबले पेहिल कहताक -
केहनि रे भाइ केहनि
केहनिक भाइ दुइ बेहनि
बेहनिञ देलेइक धान,
धान देलेइक कांड़ि के
काड़िञ देलेइक चाउर,
चाउर देलेइक हांड़ि के,
हाड़िञ देलेइक भात,
भात देलेइक कउआ के
कउआएं देलेइक पांइख,
पांइख देलेइक राजाक बेटा के
राजाक बेटांइ देलेइक घेंचाक हाइर।

कुड़मालि - लककथा परिचय

कुड़मालि लककथा, कुड़मालि लक साहित कर एकटा सउबले बड़अ भाग हेकेइक। कुड़मालि लक-काथा, मटा - मटि घटल - निघटल, कालपनिक केहनि गिलिन के कहा जाइक। लगे मन भुलाएक जालांइ जे रचक (गिआन, धरम, उतसाह, भए, मनअरंजन) केहनि छटअ - बड़अ के सुनाउथिन, अहे गिलाइ लक-काथा कहाइक। उ समए जखन, बाइसकप, सिनेमा सरकस कनअ रकमेक मनअरंजन कर साधन नि रहेइक तखन एहे केहनि गिलाइ मनअरंजन कर साधन रहेइक। लगे (धान, अगरा, जागा) कुंबाए सुतेकखन, डुंड़का धाइरे, बा डहर चलेइत के कहि सुनाइए देथिन। सुनइआंए 'हं' कहि हुंकार देथिन। हुंकार नि देले, केहनि कहइआक मन नि लागेइक आर

केहनिक रस नि पाउआइक। केहनिञ नाना रकम कर जंगलि, जिब - जंतु जेसन, बाघ - भालु, सिआर, हाड़गा, डाड़ु, काइटुर, खेखे, हाथि, हेरिन, लाकड़ा मेंजुर चिल, कउआ, कुइलि, पेचा, दुंदु रुपु, माएनअ आदि कर लेकरि केहनि गढ़ल रहेइकला आर मानुसेक नेते राजा - रानि नउआ (नाफित), ध ाबि, डम, कुमहार, कामार, मुचि, तेलि, जउगि आदि। अदिरिस कर नेते भुत, राइकस, सात बेहनि, साहड़ा, रानि, चुड़िन, उड़ेइआ घड़ा, हांस राज, पेंइख राज, घड़ा कर लेके लक-काथा गढ़ल आहेइक। एकर बादउ पाहाड़, बन, नेदि, चांद, सुरुज, ताराक केहनि, आहेइक।

आदिम जुगले कुड़मालि लक-काथांइ पांच टा बनेक नाम (रन-बन, बिज-बन, बाघा-बन, झांटि-बन, अरुन-बन) पाउआइक। 'राम नाम आर गंगा' नामटा रामाअएन काल्ले आधु लेक आहेइक। इ नाम गिला मटा मटि लुठु हेकेइक (कॉमन) सभे जाइगाएं उत्तर भारते आहेइक। इ दुइ टा नाम कुड़मि घारे आदि जुग ले चलन आहेइक। केहनि गिलाएं आसे - पासे जिनिस करे बेसि बाखान हेइक। कनअ कनअ केहनि कालपनिक हेइक। सांप, बाघ, भालु, सिआर, हाथि, जंगलि जानुआर कर काथा बन जिबनेक छाप कुड़मालि लक काथाएँ पाउआइक आर जखन राजा रानि, भुत, चुड़िन, राइकस, भाइ - बहिन, हांस राज, पेंइख, राज, घड़ा सिकार जाइएक काथा जखन हेइक, तखन सिकार जुगेक छाप पाउआइक।

उपरेक जिउ - जंतु लेइके जे काथा टा लगे गढ़ला आर सामाजे चलले आउलेइक, अहे टाइ लक-काथा बा केहनि हेलेइक। जेटांइ सुख, दुख आनंद धिरज, साहस मनअरंजन चालाक बुधिमान, बका बनाएक काथा आहेइक।

जेटांइ बेजाञ धुर तक सअत रहल बादउ अबिसासे टानि घुराइक। कनअ समइए पाहाड़े काथा कहेइस, कखनअ बाघे, भालुञ काथा कहतला! एकर माने हेलेइक कलपना सकतिक माइधमे लगके धिरज, साहास, सकतिक

रचक काथा सुनाए देउआ आर निजेके असने बनाए राखा संगे - संगे गेआन उकति कर काथांइए सामाजिक, धारमिक, आरथिक, राजनितिक जिबअनेक साफ देखाएक उदेस रहेइक।

कुड़मालि लक-काथा दुइ रकमेक। एकटा 'जान केहनि' आर दसर टा 'सुनकेहनि'। जान केहनिंइ साधारन जिनिसके एसन भाभे आर एसन काथांइ कहा जाइक जे माथा घुरि जाइक। अकर जवाब खजि पाउआ कठिन हेइक इटाके हिंदिंइ 'बुझउअल' कहथिक। 'सुनकेहनि' लामबा ढांगा काथा हेइक आर कनअ एकटा पातरअ-पातरि आर परिबेस संबादके लेइके केहनि बाढ़ेइक। पातरअ - पातरि राजा - रानि, बाघ, भालु, सिआर, बांदर, राइकस भुत, चुड़िन, सातबेहनि आदि हेत आर कनअ - कनअ समंइए पहाड़, नेदि, बनअउ पातरअ आर पातरि हेत। संगे - संगे अलउकिक काथाउ बेजांइ सरस आर बेस रहेइकला! मन भटाल रहेइकला।

जान केहनि, माहान उपसथित बुधिकर परिछा हेइक। जेटांइए सुनइआके फांड़े हेइक आर सटिक जवाब देउआइक। जान केहनि कहा आर सुनइआ दुइअकर परिछा हेइक। एक धांउ एक लगे कहताक त दसर धांउ दसर लगे कहताक। कनअ - कनअ जान केहनि तुकातमक आर लएआतमक हेइक। इ रकम लककाथांए मटा मटि आसे पासेक जिनिसेक बारेइ कहा हेइक। इ गिलिनके एखन 'पहेलिक' नामउ जानथिक।

केहनिंइ सुनइआक आगु बाटे सुनेक इछा जागेइक। सुन केहनि पेइहला सांइझे कुंबा, डुंड़कांइए बा जाहां एक पासे जहड़ल रहता, सेइ खन कहत। दिने त कनअ लगेइ सुन केहनि नि कहत। जेटा आगुए कहल आहेइक।

कुड़मालि लक-काथा गांउएक लगेक भुखअसत परमपरा हेकेइक। इटांइ काथाक दारांइ लगेक परमपरा आर बिसासकर अभिबेकत पाउआइक। एहे माहान इटा कुड़मालि संसकिरितिकर इतिहासेक जरक हेकेइक। इटाएं

मुल जिनिसकर कनअ महत नि रहेइकला। जादु, मंतर, बस करेक, सगुन, भुत चुड़िन, लेक रिति रिआज, परब तिहार तक काथांइ रहेइकला। अहे माहान इटा कहा जाइ पारेइक जे कुड़मालि संसकिरितिक जिबन लक काथा हेकेइक।

कुड़मालि लक-काथाक चलन कुड़मि जाइतेक सिरिसटि लेक माना जाइ पारेइक। एसे त कनअ बिदुआने एखन तड़िक कहे नि पारला जे लक-कथाक उचरेइन कबे लेक हेलेइक? जेसन भासाकर लेके कनअ लगे कहे नि पारला जे भासाकर उचरेइन कबे लेक हेलेइक, तेसने लक-काथा करअ उचेरइन कबे लेक हेलेइक? सठिक कहा दाए हेकेइक। डॉ. सतेन्दरेक आधारे "आदि मानुसे जखन नाना रकमेक पिथिबिक उपादानके देखि मानबिए किरिआ - बेपारकर समानता दरसन करला - एहे रकम गेआन कर अनुभब करेक टाउ लक-काथाक जनमेक पेहिल सिढ़ि मानल आहात।"

"कुड़मालि लक-काथा रिक बेदले पेहिलेक सिरिसटि हेकेइक। डॉ. शंकर लाल जादबेक अनुजांइ काथा लक केहनि रिग बेदेक पेहिल मुंहे - मुंहे पिढ़ि दर पिढ़ि चलि आउएइत रहेइक।"

केहनिक उचरेइन कर आदि भुञ भारत देसके मानथिक। मिनतुक केहनिक मउखिक रुप सिरिसटिक समइलेक सभे देसे पाउआइक। केउ - केउ कहत इ केहनि गिलिन पारमपारिक उदेसेक घांस निआर जनमेलेइ। सभे देसे बुढ़ा पुरखांइए छुटु छउआके मन रिझाइएक (भुलाइएक) तेंहे कहलाहात।

परिभासा - कुड़मालि लक काथाइ निहिं मिनतुक आन लक-काथा करअ परिभासा एखन तक कनअ बिदुआने सठिक नि दे पारल आथिक। बेजाञ - बेजाञ बिदुआने लक-काथाक परिभासा निजेक - निजेक अनुभब कर आधारे देल आथिक। जेसन -

डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदीकर आधारे - "लक-काथाक साड़ा मटा-मटि लक परचअलित उ काथानाक कर खातिर बेबहार हेइकला, जे मुंहे - मुंहे

लिखित परमपराले एक पिढ़ि ले दसर पिढ़िके पाउआइकला।''

डॉ. सत्येनदरे कहल आहात - ''लक माहान परचलित परमपरा ले चलि आउअल आसल मुंहे - मुंहे परचलित केहनि गिलाइ लक केहनि हेलेइक।''

''हिनदि साहित कोस भाग - 1 महान लक केहनिक बारे लिखल आहेइक, कि लक माहान परचअलित आर परमपरा ले चलि आउअल मुल मउखिक रुपे परचअलित केहनिए लक केहनि कहाइक।''

लक-कथा लेइके आर एक मत आहेइक, एकर मुल धरम गाथाइ हेकेइक। समइ कर असर आर मुल सरअतले धुर हेइक। एञ धरम गाथाक नाम - जाएगा छाड़ल आहेइक। मिनतुक इ मतेक आइज माइनअ नेखेइक। लक-काथा साड़ा एंगरेजिक 'फोक टेल' कर दसर साड़ाक रुपे बेबहार हेइक। एंगरेजिञ इ साड़ा टाक माने बेजाञ बड़े आहेइक। इटांए अउदान लककाथा, धरम गाथा चेरेइ, चुनगुनिक केहनि, निति काथा हेन तेन लक परचलन बारता राखल जाइ पारेइक।

बासतब माहान लक-काथा साड़ाकर परिभासा देउआ बेजाञ आंट जेटांइ बेबहार परमपराक नाना रकमेक, नाना किसिमेक साज - पाटकर खातिर करल जाइक। जेटांइ मुल जिनिसेक अभाभ रहेइकला। इगिला सुनल जाइक आर घुरि - घुरि कहल जाइक। कखनअ कखनअ मनेक काथा गिलिन कहेइआंए भामे-भामे बदलि - बदलि कहेक धांधा करत। अहे माहान एकर आसल रुप टा कहा दाए।

कुड़मालि लक-काथाक उचरेइन

कुड़मालि लक-काथाक उचरेइन कबे ले हेलेइक? इटा कहा दाए। मिनतुक भाभले बा फांड़ले किछु धुर तक उचरेइन जाइगा टा पहंचा - पँहंचि हे पाराइक। ताकर किछु सिंधांत बा हेतु आहेइक :-

१. **पसरल हेतु** - लक-काथा जखन लग एक जाइगा ले दसर जाइगांए पसरत, तखन लक कथाउ पसरेइक। जेसन भासा एक ताहां ले दसर ताहां पसरेइक तेसने लक-काथाउ पसरेइक। मिनतुक लगे एखन तक भासाक। उचरेइन कर सटिक काथा नि कहे पारला तेसने लक-काथा करअ उचरेइन कहा दाए। ता हलउ लगेक दारा बा सामाजेक दारा लक-काथा पसरेइक। एहे जालांइ एहे ठिन लेक लक-काथाक उचरेइन कहा भुल। किछु बिदुआने कहल आहात जे भारत आर मेसा-पटेमिआ माहनेइ लक-काथाक उचरेन जाइगा। मिनतुक बेजाञ काए इटा नि बिसास करत।

२. **परकिरति हेतु** - इ हेतुक आधारे लगे परकिरतिक गति बिधि लेके आपन मनेक बिचार सकतिक आधारे करत। इ गति बिधि गिलिनके लगेक रुप दे करि काथा कहत। सुरज उठा डुबा, झेइड़, बेइरसा, बिजलि, गिरा, पाखना पानि, धुंध - बासात, इजतिआ राइत, एक दिनेक चांद, गारह दिनेक चांदेक इ सउब काथा कहे लागला। सुरुज - चांदेक काथा, हाउआ पानिक काथा पाहाड़ आर सुरजेक काथा, ताराक काथा। एहे गिला सचेक सकतिक दाराए काथा कहा गिलिने लक काथाक उचरेइन हे पारेइक।

3. मन जाना हेतु - मानुसेक मन दुइ भागे बांटल जाइक - एकटा 'चेत' आर दसर 'अचेत'। मनेक अचेत भाग चेत मनलेक बेजाञ बिसतार आर बलिसट हेइक। बिदुआने इटाके "जउन बासना" ले मानल आहात।

अचेत मन कर निरमान हामर चिपाल बासनाक कारन हेइक। कामुक परबिरिति एक बिकरित आर असामाजिक परबिरति हेकेइक। जाकर तिरिपति सामाजिक जिबने मसकिल आहेइक। एहे चिपाल काम बासना, जखन सपने, खेलेइत, कुदेइतके जागि जाइक, तखन इटा मनेक रग हेइक, जाकर कारअने लगेक बेबहार असाधारन हेइक। आर इ गेआन टा निजे मानुसेक ताहांउ नि हेइक। एहे "जउन बासना" बाहेइर बाहराएक आर अबसर खजेइक। एकर मानेइआ लगेक आधारे एहे जउन बासनाक रउप बदलले जनम हेइक जेसन एक राजाक सात रानि, एक रानि बेजाञ सुंदर हेन तेन। इगिला निजेक जिबनेक काथा टाके राजाक माइधअमें कहल जाइक। मिनतुक पुरखेनिक धरम काथाएँ इ हेतु गिला नि आउअइक।

4. मनेक मतन (पुरन) हेतु - लगे अपन मनेक मतन आर चिपाल आसाक पुरन कर खातिर साहित सिरजन करत आर एहे कारने लक-काथा लगेक चिपाल आसाक पुरनेक फल हेकेइक। इ चिपाल आसा गिलिन काम बासना लेक आलादा हे पारेइक। जाकर पुरन सपन आर कलपनाक माइध ामें हेइक। इटांइ राइकस, भुत, पिसाच, चेरइ चुनगुनिक काथा गिलिन नाना आसा पुरेक आधार हे पारेइक।

5. बाखान हेतु - इ हेतु कर आधारे लक-काथा आपन समइएक रुढ़ि, निति, बेबहार, परथा आर सामाजिक निअम कर बाखान करेइ। हिंआ तक कि नेतिकता कर बाखानअ लक-काथाक माइधमें हेइक। इटांइ कनअ राजाक धरअमें चलेक, दसर कर डर लागेक, ठगिके राइज लेउआ आदि गिलिन आउअइक।

6. बिकास हेतु - एकर आधारे लक-काथाक जनम एक जाएगांइ

नि हेल आहेइक। पुरा जगते मानब समाज कर आधारभुत मानसिक समानता आर चिंतनेइ मुल कारन हेकेइक। एहे कारने जगतेक सभे लक-काथाएँ आधर भुत समानता देखा जाए पारेइक। जेसन - सिआर कर चालक हेउआ, सेइतिन मांइऐक बेबहार, भुत - पेरेतकर कलपना मटा मटि एके निआर आहेइक।

7. जथारत हेतु - जथारत माने बासतअबिक, घटनाके घुरि - फेरि कहते आर दहराते रहले काथा माहान हेर - फेर हेइक आर एहे हेर - फेर, हिंदे - हुंदे छितराइक, तखन देस काल कर संसकिरितिक असर हेइक। एहे माहान लक-काथाक आदि रुपकर पाता नि पाउआइक।

8. मेसा साना हेतु - लक-काथाक उचरेइन कर संबंधे उपरे देल हेतु गिलिने कए एकटा सिधांत पुरा नि मानल जाइक। मिनतुक चाइर टा सिधांत मुइख आहेइक।

1. पसरल हेतु 2. परकिरिति हेतु 3. मन जाना हेतु 4. विकास हेतु - इ चाइरअ के मिलाइके एकटा सिधांत जेटा मेसा-साना कर थापना करल जाइ पारेइक।

कुड़मालि लक-काथाक - रकम

कुड़मालि लक-काथा बेगनतिक आहेइक। जिबनेक जतना रकमकर पुरखा लगे मने मने भाभल आहात, सभे रकम कर लक काथा आहेइक। जेसन जेसन लगे कलपना करला आर निजेक जिबनेक संगे ढालला तेसन तेसन लक-काथाक भाग हेले गेलेइक। इटाके बरगिकरन कहत।

लक-काथाक बरगिकरन कर बारे बेजाञान बिदुआने बेजाञन रकमकर काथा कहल आहात। डॉ. इसटिथ थमसने 'दुइ टा आधार मानल आहात - 1. सरल-काथा आर 2. जटिल-काथा।

सरल काथाक भितरे उ काथा गिलिन राखल आहात जे काथा गिला सझा आर सहज रहेइकला। एसन काथा गिलिने सुरुले लेकरि आखिर तक एके चाइले चलेइक।

जेसन - 'धखा', 'संत मांइ', 'कढ़ि' हेनतेन कर काथा गिलिन सरल काथाक भितरे आउएइक।

जटिल काथाक भितरे एसन काथा गिलिन आउअइक जे काथा गिलांइ मन अजबझाल रहेइकला आर काथांइ उतार चढ़ाउ कए बार तक हेइक। जेसन - परि कर केहनि, जादुक केहनि, दानब कर केहनि। इ सउभ जटिल काथाक भितरे राखल आहात।

डॉ. सतेनदरे आपन परअबंध माहान जे बरगिकरन करल आहात उटा इ रकम कर -

1. गाथाएँ

2. पसु अथवा पंचतंत्र

3. परिक केहनि

4. बिकरम कर केहनि

5. बुझअअल

6. निरिछन गरभित केहनि

7. साधु-पिरेक काथा।

एसने भाभ किसनअदेब उपाधेआए भजपुरि परदेसे पाउअल के हनिक बरगिकरन इ रकम करल आहात -

1. उपदेसातमक 2. मनअरंजनातमक 3. बरननातमक 4. पेरेमातमक 5. बरतातमक 6. सामाजिक।

आचार्य आननदबरधने इ सउभके तिन बरगे राखल आहात - 1. अरथ-काथा 2. काम-काथा 3. धरम-काथा 4. संकिरन काथा

पासचात बिदानउ लककाथा के चाइर भागे भाग करल आहात - 1. कालपित काथा 2. परि-काथा 3. दान-काथा 4. पउरानिक काथा।

नागपुरि बिदुआन डॉ. भुवनेसनर अनुजे नागपुरि लक-काथाके इ रकम बांटल आहात -

1. आनुसठानिक काथा

2. बिसउआस काथा

3. पेरेमातमक काथा

4. निति काथा

5. मनअरंजन काथा

6. सामाजिक काथा

एहे निआर बेजाज बिदुआने आपन आपन भासाक लक काथाके निजेक बरगिकरन करल आहात।

कुड़मालि लक-काथाक कर बरगिकन मर हिसाबे एहे निआर हे पारेइक-

1. जाइतेक लेके लक-काथा
2. धरम लेके लक-काथा
3. जिउ - जनतुक लेके लक-काथा
4. भुत, चुड़िन, सातबेहनिक राइकस लेके लक-काथा
5. पेरेमेक लक-काथा
6. उपदेस / निति लक- काथा
7. अलउकिक लक-काथा (असाभाबिक)
8. मनअरंजन लक-काथा (रिझ-रंग)
9. सामाजिक लक-काथा
10. अनुसठानिक लक-काथा।

1. जाइतेक लेके लक-काथा -

इ रकम कर लक काथा गिलिने नाना रकमकर जाइतेक काथा रहेइकला। जेसन - नाफित धबि, कामार, डम आदि।

2. धरम लेके बेजाञ लक-काथा अहेइक।

जेसन - करम-धरम काथा, बांदनाक (सांहराइएक) काथा आदि।

3. जिउ जंतुक लेके - सउभ ले जिउ जंतुके लेके .... लक-काथा आहेइक। कारन आघु कुड़मि जंगल जिबनेक संगे बेसि बेजाञन दिन रहला, ताकर खातिर एखर लक-काथांइ - चेरेइ, चुनमुनि, बाघ, भालु, सिआर, हाड़ागाक काथा आहेइक।

4. भुत-चुड़िन, सात बेहनिक, राइकस, लक-काथाउ कुड़मालि साहिते, भारल पुरल आहेइक।

5 पेरेमेक काथाउ - कुड़मालि साहित पाउआइक जेसन 'साहड़ा

रानि, सालु कुंअर' आदि कर काथांए पेरेमेक पुट आइइक।

6. उपदेस / निति-काथा - छठे-छठे हुआके जे लक-काथा आजा - आजिञ कहि देथिन सेइ काथा ..... निति काथा रहेइकला जेसन - एहे निआर करलाक तखन अकर एहे फल पाउलाक। एसन करले एसन हेतेइक।

7. अलउकिक काथा - एसन काथा गिलिने जतना बड़े लक निहिं अकर बड़े काम करा जेसन - बड़े - बड़े राइकसके मारा। पाहाड़के हाथ उठाउआ आदि।

8. मनअ रंजन काथा - इ काथा बा केहनि गिलिने आनंद आर रिझ - रंग करेक तेहें कहल जाइक। केहनिके कहेक खने कखनअ कखनअ भांड़ काथाक मेसा - साना अंस रहेइकला।

9. सामाजिक काथा - इ काथा गिलिने कनअ समाज कर छाप रहेइकला। जेसन - समाज कर भितरे रहे गेले किना - किना करे हेइक। सामाज ले बाहराले किना - किना निअम आहेइक।

10. अनुसठानिक काथा - कनअ कनअ समइए घारे सारे ध ारमिक, सामाजिक, सांसकिरितिक अनुसठान हेइक। इगिला करअ निजेक - निजेक काथा बा केहनि आहेइक।

कुड़मालि लक-काथाक बिसेसता

कुड़मालि दुइ रकमकर - एकटा केहनि आदि जुगेक आर दसरटा हालुक। मिनतुक दुइअ लक-कथाक नामे जानाइक। कन काथा गिलिन आघुक आर कन काथा गिलिन हालुक माने पुरखेइनि माझालु आर हालुक काथा कन गिला? इटाके धरेक जालांइ एकर बिसेसता के जाने हेतेइक -

1. कुड़मालि लाक-कथा पेरेमेक निमुंद हेकेइक

बेसि भागे कुड़मालि लक-काथा जिबनेक संगे जड़ल आहेइक, अहे माहान पेरेम कर हेउआ साभाबिक। जेसन इ पेरेम मांइ बेटाक, भाइ - बेहिन तिरि - पुरुस कर संगे पाउआइक। मांइए बेटाक लालन - पालनेक जालांइए कतना देबि देबताक आरदास करे। निजेक जिवन देइके बेटाके बॉचाइक। तेसने भाइ बेहिनके पेरेमे बेहिने भाइएक सुख हेउएक कहि उपास राखअइ, असने पुरुसेक जालांइए बुहुज उपास करइ। संगे-संगे जिउ जनतुक संगउ पेरेम हेइक। अहे माहान कुड़मालि लक काथाक बिसेसता हेलेइक पेरेमेक निमुंद।

2. कुड़मालि लक-कथांइ बका-बकिक (अश्लिल) अभाब :-

कुड़मालि लक-काथा गांउएक मुरुख मानुसेक जाकर गेआनेक अभाभ आहेइक। ताखराइ इ काथा गिलिन बनाउअला। मिनतुक कनअ काथांइ भांड़ि सुटि बका - बकिक छाप नेखेइक। आइज कालुक काथांइ जेसन, पेरेम, बासना सुंदर कर छाप भरल आहेइक, तेसन पुरखेइनि काथांइ

नेखेइक।

३. कुड़मालि लक-काथा अबसथा परिसथितिक सहचरि - आधुनिक काथा अबसथा आर परिसथितिक आधारे गढ़ाल आहेइक। जेटांइ तखन कर जुगे कुड़मिक दुख-सुख आसा-निरासा, काम-करउध मह-मांइआ। एसन गिलिनेइ आसल परबिरिति रहेइक, कहि केइ लक-काथा गिलिन ठुसाल आहेइक। मिनतुक आजुक काथा गिलिने कनअ एकटा पातरके माइधम बनाइके बनाल आहेइक।

4. कुड़मालि लक काथांइ मंगल हेक कामना रहेइकला -

केहनि माहान बेजाञ कसटअ डहर, जंगल, बाघ, भालुक, राइकस कर संगे लड़ाइ, घारले बाहराए देलउ आखिर महान अकर मंगल हेक एहे भाभ रहेइकला। काथा कहेइआंइ काथा कहते-कहते आखिर माहान मंगल कर कामना करअए जे असुक लगेक एसन सुख हेलेइक तेसने तहर सभेक सुख हेउन। मटा-भटि सभे काथा गिलिन मंगल कामनाक खातिरे कहा जाइक।

5. कुड़मालि लककाथा सुख, हांसि खुसि महान सिरनाति -

कुड़मालि लक-कथांइ बेजाञ निआर कर दुख बिपति, कसटअ, हानि अभाभ गिलिनेक काथा आहेइक। मुल पातरअ आपन मांइए बापेक रखाक जालांइ बा धरमकर जालांइ बेजाञ कसटअ भग करत। मिनतुक आखिर कार सुख आर सफलता पाआइक। कुड़मालि लक-काथा कर आसल बिसेसता हेकेइक, जे काथा दुखे ना सिराइके सुखे सिराइक।

कुड़मालि लक कथाएं आंदेखा, जुलुम, भितरिआ छाप रहेइकला।

कुड़मालि लक कथांइ एसन एसन बिर आहात जाखर कांड़े कए एकटि राइकस मरत आर कांड़ पाखनाए गपंचए। मरल लकके बाचाथिन धुरा मंतर करि लगके पाखना बनाएक उड़ेइआ घड़ा, भुतेक काथा गिलिन सुनले गात भुस - भुस आर रअमांचित हेइक। एसन पातरअ कर काथा

सुनले अदभुत रसकर जागिरिति हेइक।

7. कुड़मालि लक कथा सुनेक जालांइ बेआकुल हेत -

काथाक इटा आसल गुन हेकेइक। अदभुत रस रहल कारने सुनइआक बेआकुल आधु बाटे जानेक जालांइ हेइक। ताकर माने आघुत्र एकर बादे किना हेतेइक ताकर बादे किना हेतेइक? लग सुनेक उतसुक आर बेआकुल रहतला। सुनइआंइ 'हं' कहि हुंकार देथिन आर कहेइआकर कहेक बल पाउआले जाइक। एसने उतसुकता आर बेआकुलता दुइअ कर रहेइनला।

8. कुड़मालि लक-कथांइ साभाबिक बरनन आहेइक -

काथा आर घटना पातरअ आर कहेक ढंग एक संगे एसन गांथाल अहेइक जे बनाउअटिक अनुभउए नि हेइक। काथा कहा बेजाञ सजिब भामे काथाके कहथिक आर सुनइआंइए सहज भाभे अमल करत।

निमुंद देल जाइकला - 'कुड़मालि लक काथाक कए एकटा

केहनि - 1
सिआरेक मादेइर पाउआ

एकटा सिआरेक 'कइर' खाइतके नाके कांटा लागल। दम दुखाइक। एकटा 'नउआ' (नाफित) आउअल।

सिआर - नाफित भाइ मर नाकेक कांटा टि बाहराइ देबें?

नाफित - कांटा बाअराइतके नाकटा बुचा हेतउ हले जे!

सिआर - नाकटा बुचा हे देहिं मंए - आर तंए त बेसे रहब। नाफिते 'नरहेइनें' कांटा बाहराइतके नाक बुचा करलेइक। सिआर रागाइके कहलेइक। नाकटा त मर बुचा करले! एधांउ मंए करम किना? नाक देबे न नरहेइन देबे?

नाफित - नाक काहां पाए देबं? ले तबे मर नरहेइन टि लेजिहिं। सिआर नरहेइन लेके चलल। आघु बाटे देखेइकला एक कुमहार नखे आर दांते माटि खने लागल आहेइ। सिआरे कहलेइक, 'एरे भाइ तंइ दांते आर नखे माटि खनिसला! ले मर नरहेइन टि!

कुमहार - आरे! भाइ तर नरहेइन टुटति हले जे!

सिआर - नरहेइन टुटति त टुटति! मंइए आर तंइए त बेसे रहब!

कुमहार - नरहेइने माटि खनेइस! नरहेइन टुटलि।

सिआर - नरहेइन देबे न चुकि देबे?

कुमहार - नरहेइन त काहां पाए देबं, ले तबे मर चुकि टिए लेंहि। सिआर चुकि ले के आघु बाटे गेल। आघुञ एक गउआरे गाइके छेंछरा खांचिञ दुध दुहेइकला। सिआरे कहलेइक आरे भाइ, आंइख रहेइतके आंध ाा,' आर बुइध रहेइत कउ बाधा।' दुध काहां टेकउला। ले मर चुकि टि।

गउआर - चुकि टि गाइए लेथिआइके फटातेइक हले जे?

सिआर - उटा तंइ काहे भाभिस, चुकि न फुटति मंए आर तंए त

बेसे रहब!

गउआर - चुकिञ दुध दुहे लागलेइक। गाइए चुकिके लेथिआइ फुटाइ देइक।

सिआर - गाइ देबे ने चुकि देबे?

गउआर - चुकि त काहां पाए देबं, जा मर गाइ टिकेइ लेगिहिं! . ..... सिआर आघु बाटे बाढ़ले जाइस। आघुञ एक तेलिञ निजेक बहुके घानिञ जड़ले आहेइक -

सिआर - बुड़बक कर घानि

'आधा तेल आधा पानि।' निजेक बहु टिके घानिञ जड़ले आसिक। ले मर गाइ टि।

तेलि - तर गाइ टिक डांड़ा टुटतेइक हले जे रे भाइ!

सिआर - गाइटिक न डांड़ा टुटतेइक। मंए आर तंए त बेस रहब। तेलिञ गाइके घानिञ जड़लेइक। गाइएक डांड़ा टुटलेइक।

सिआर - गाइ देबे न बहु देबे ?

तेलि - गाइ त काहां पाए देबं! जा तबे मर बहु केइ लेगिहिं । (सिआर बहु लेके आघु बाटे जाइस। एक मुचिञ बिलाइके पिठा छांका कराइकला बिलाइए जए टा छांकेइस, तए टाक एक खांड़ा खाइस आर एक खाड़ा राखेइस)

सिआर - एहे टाइ कहत 'मुचिक बुइध खुंचिक फेंड़े।' तर एक खांड़ा पिठाक किना दाम। जा लेगिहिं मर बहुके पिठा छाकाकराहिं।

मुचि - ए रे भाइ! इटा न ठिक कहिसला! जदि तर बहुक आंइख फुटतेइक तेल छिटकि हले!

सिआर - बहुक न फुटतेइक। मंए आर तंए त बेसे रहब। (मुचिञ बहुके पिठा छाकां कराइकला छांकते छांकते आंइखे तेल छिटलेइक आर कानि हेलि।)

सिआर - बहु देबे न 'मादेइर' देबे!

मुचि - बहु त काहां पाए देबं! जा तबे मर मादेइर टाइ लेगे। (सिआर मादेइर लेके बनेक भितर एक कुआं पास डाड़ाइके बाजाइस। बनेक सिआर सुनि सभे जहड़े लागाला)

बनेक सिआर - अरे! दादा एसन सुंदर मादेइर कहां पाउअले?

सिआर - एहे कुआं टाक भितरे।

बनेक सिआर - एरे भाइ मकउ कुआंइए नाभांउए

सिआर - सभे काए आपन आपन पाखना बांधा हे आर झांप देहाक (किछु सिआर चांड़े - मुड़े डेगि नाभल रहत, तखन पुछलेथिक? दादा अखरे एखन ले जे नि उठतला?

सिआर - अरे बका! अखरे बेस बेस गिला बाछतला एतना कहल बादे सभे सिआरे कुआंइ झांप देलथिक आर सभे मरला।

केहनि - 2

काना सिआरेक सलह बुइध

एकटा बने दम सिआर रहत। एखर राजा बांड़ा सिआर रहे। सभे सिआर हांसि - खुसिंइ रहेइत रहत। एहे सिआरेक भितर एक सिआर कर बहु बेजाञ सुंदर रहि। सभे काए भामेइत रहत जे मर बहु हेइतक हेले बेस। हिंआ तक कि सिआरेक राजा बांड़ा सिआर करउ एहे भाभना। बिधिक बिधान, सेइ सुंदर सिआरिन कर पुरुस मरि गेल। सिआरिन रांड़ि हेलि। काम करा घारे लग निहिं। कने कामाइ करि आनि देतेइक आर खाताक! घारे कट किना। "अभाभे सभाभ नसटअ।" एकर घार अकर घार जाए लागलि आर खाएक जालांइए सभेके कहेइन मंए तरे संग बिहा लेम। मके एखन खाऐक दे! जे लग टि कबउ काकरअ घार नि गेल रहि से एखन हिंआ - हुंआ हे

लागलि! हिंआ तक कि राजा बांड़ा सिआर कउ भांड़ले रहेइक।

एक दिनेक दिने राजाक दरबारे गटा बनेक सिआरेक बइठकि हेलेइक। काथाएं - काथाएं उठलेइक - फानला दादा मरि गेल। बहअ टि रांड़ि हेलि। घारे काम उधमकरा लग निहिं! सारा खन कटकिना! एक दिन मर घार आएके कहलि, 'पेट पसि दे तहर संग बिहा लेम!' सभे सिआरे एक संगे उठि कहला, आ रे एसन काथा त मकउ कहले आहि। राजांए कहेइस मकउ एहे काथाइ कहले आहि। सभे सिआरे! मत करला।

'बेसि सुंदरिक जाइत निहिं'

रांड़ि जेनिक पांइत निहिं।'

एके एखनेइ मारि-पिटि बन लेक खेदि बाहराउबेइक। अखरे माझे एकटा काना सिआर रहे।

बेजाइन चालाक आर बुधिमान। अकर ताहां सलहटा बुइध रहेइक। एखर सभे काथा सुनलाक। काना सिआरे आइके सिआरिनके बाझाइ देलेइक। सिआरिन डारालि। काना सिआरे बुइद देलेइक। जखन सभे सिआर आउअता तखन गड़ लागिके कहसिन। जे मंए सभेक घार जाइके जे कहले रहन तहर संग बिहा लेम। आसल माहान उटा नेउता रहेइक आर इ बनेक भितरे जाकर तांहा सलहटा बुइध आहउन, ताकरे संग मंए बिहा लेम। जखन सभे सिआर राजा संग रागाइके अकर घार आउअला। तखन जेंसन काना सिआरे सिखाल रहेइक तेसने करलाक। सलहटा बुइध सुनि बांड़ा सिआर राजा घसकल। ताकर बादे सभे सिआर घसके लागला। तखन काना सिआरे गुइल लागालाक जे मर सलहटा बुइध आहेइक। सभे सिआरे कानाक चाइल बुझला। दुइअके बनले खेदि बाहरालेथिन।

काना सिआरे सिआरिनके कहलेइक, 'खिस खाइ निजके आर बुइध खाइ परके।' चाल हामरे दुइअ बिहा करिके सुखे रहब। दुइअंइ बिहा करिके बनेक बाहिरे पाहाड़ जापाक लातांइए रहे लागला। सेइ जापाटा बाघे

बेजाञ आघु छाड़ि गेल रहे। दुइअ बुढ़ा - बुढ़ि बेजाञ रिझे - रंगे, निके - सुखे रहे लागला। थड़ेक दिनेक बादेइ दुइअकर छउआ - पुता हेलथिन। खाएक जगाड़े कनअ दिन काना सिआर काम करे निगेल। बुइधेक दारुने घारे बसि खाइत रहे। जे कनअ सिआर बुइध लेक तेहें काना सिआर पास आउएइत रहत आर एखनअ आउअते रहत। समइए खाएक आनि देथिक बुइध लेक जालांइ। अहे माहान घारे बसि खाइत रहे।

कतना नि कतना दिनेक बादे सेइ बाघ निजेक लाता घुरेइस! सिआरिने बाहिरे ककंइ - आरसि करेइस! आचकाइ - बाघके देखिके घार कुदि सामालि आर काना सिआरके कहिदेलेइक! काना सिआरके कहेइकला - काकर नि काकर घारे आनिके राखले आहिस? देखि हिं दान दानाइके बाघ टा जे हेंदेइ आउअइस। काना सिआरे कहलेइक - मर सलहटा बुइध आहेइक, आउए देहिं। जसेइ पहुंचा - पहुंचि हेत तेसेइ छुआ गिलिनके चुतरांए चिमटाएके कांदा करासिन। जेसे छउआ दम कांदतका। बाघ पहुंचा - पहुंचि हेइस। कहल निआर सिआरिने छउआके कांदाए लागलेइन! काना सिआर गरजल - ए - गे! सालि! काइले नअ मन बाघेक मांस आनलं रहँ आइजे सिराले! जे छउआ गिलिनके कांदासिनला। बाघे सुनअ, बाप रे! नअ मन बाघेक मांस। कतना बड़े जानवर ढुकल आहे रे बाप! मर घारे! एतना कहि बन बाटे पाराल। काना सिआरेक बुइध देखले। सिआरिनके कहलेइक।

बनेक राजा बाड़ा सिआरे बाघके पाराइतके देखि पाउअक।

बांड़ा सिआर - मामा - मामा - कहां पाराइहाला (थिराउआं)।

बाघ - निहिं रे बाप! मर घारे बड़े निसेक कन जानबर ढुकल आहे! निहिं। काना सिआर हेके मामा। तहर घारे बासा लेले आहेइक, अके बनले बाहराइ देले आहेइक। चाला मर संगे देखबेहे!

बाघ - के जान बाप! तहरे त छटे जिउ! कंदे फुच, करि फुचकि देबाहाक। मंए धराए जाम।

बांड़ा सिआर - मामा तहर बिसास नि हेउनला। ता हले चाला। पुंइछ के चिहड़ लतांइ बांधा - बांधि करि दुइअ मामा - भेइगना जाब। ता हले त बिसास करबेहेन। (बांड़ा सिआरे काना सिआरके बेजाञ आघु लेके रागाइत रहेइक आर बदला लेक जुइत खजेइत रहे।)

दुइअ बांधा - बांधि हेला आर चलला। बाघेक भए त पेहिल लेक। ताउ बांड़ा सिआर कर जालांइ साहस करले आहेइक।

बाघ - ए भेइगना किना हेतेइक?

बांड़ा सिआर - मामा, "पानिञ ना नाभले पेञरे नि सिखबहे। साहांस, बुइध आर खेमता, एहे तिन टाँए लग आघु बांटे बाढ़त आर बड़े हेत एतना कहेइतके बाघकर डर सिरालेइक आर गरजे लागल। दुइअ मामा - भेइगना आए लागला।

सेइ दिनअ सिआरिने बाहिरे कंकंइ - आरसि करेइस। आचकेइ धुरे देखेइनला दुइअ मामा - भेइगना एक संगे आउअतला। आइज त आर नि बांचता कहले घार कुदि सामालि आर काना सिआरके डराए डराए कहि देइकला" भऐ भुत! नि तअ सासाने सुत।

काना सिआर - तंए डारासिन काहे पहुंचा - पहुंचि हेता न सेइ पेहिल कहल निआर करिस। छउआके दम कांदासिन। मामा - भेइगना आंनगा टा पहंचल आहात न सिआरिने छउआके कांदाए लागलेइन।

काना सिआरे गरजिके कहलेइक - ए! गे! सालि! काइले नअ मन बाघेक मांस आनले रहं आइजे सिराले? कनअ बात नेखेइक। बांड़ा सिआरके काइले बाएना देके आउअल आहं। कनअ न कनअ बाघके धरि पहंचातेइग देखिहिं न बाहेइर बाटे! बाघे एतना काथा सुनल बादे। साला भेइगना बाएना खाएके मके मराए आनले आइहा कहि जिउ छाड़ि बाघ पाराल।

बांड़ा सिआर - मामा डाड़ाउआ! डाड़उआ।

बाघ - तर गुसटिक तिन खेदं भेइगना। बाएना खाएके मके मराए आनल रहिहा। बाघ जतना रागे - रागे पाराइस बांड़ा सिआर अतना थेचका थुकड़ा हे मरि गेलाक कारन चिहड़ लताएं बांधल रहे सिआर। कतना धुर पाराल बादे बाघे कहलेइक बाएना खाएके मके मराए लेगल रहिहा एखन केसन रिसड़ि करलेहे। 'जिउ ना जाए छटपटिक साद।' काना सिआर आपन पारिबारेक संग खुसि - खुसि - खुसि रहे लागल।

एखन तिन टा बुइधे देखाल आहेइक ....?

केहनि - 3

केंउद, कउआ आर छउआ

एक कउआ बनले केंउद लेके आउअल। एक घारेक आनगांए एकटा गाछ रहेइक। गाछे बसि कउआंए केंउद खाए लागलेइक। खाते - खाते केंउद आनगांए गिरलि। हेठे दुइ भाइ - बेहिन खेलेइत रहत। अखरे केंउद उठाए खाए लागलअथिक। केंउद बेजाञ सआद। छउआ गिलिने कउआके सुधिआलेथिक? केंउद काहां पाउअलेरसिक? कउआंए कहलेइन! बनेक गाछ ले। छउआंए सुधिआलेथिक - बन लेगबे? कउआ - हं! बन लेगबहन!

उपरे - उपरे कउआ उड़ले जाइस! पेछुञ - पेछुञ छउआ इंड़कले - इंड़कले जातला बन पहंचअला! केंउद गाछले कउआंए केंउद पाड़ि देइनला। हेंठे दुइअ भाइ - बेहिने केंउद खाथिनला। रिचिक देरिक बादेइ भाइ छउआ टाक पिआस लागे लागलेइक। बेहिन टिञ केंउद फेड़े भाइके पात - पालहाञ तपि देलेइक। बेहिन पानि खजे गेलि। राजाक बांधे पानि भरेइतके राजाक सिपाहिञ धरि राजाक हाजअते देलथिक।

हिंदे गाछे बनेक बांदर केंउद खाए आउला। सभे बांदर गाछ उठला मिनतुक एक बुढ़ा बांदर उठे नि पारल। तखन हेठें जुंठा काठा गिलिन ञचरि - ञचरि खाइन ला। ञचरते - ञचरते पाते ढांपाल छउआके उटकि पाउलेइक। बांदर बेजाञ रिझे हेल आर आपन घार छउआके लेगलेइक। छउआ धिरे - धिरे बड़अ हे लागल। बांदर कर संगे रहिके बांदरके नाच सिखाए लागलेइक आर एसने दुइअ लगे मांगि खाए लागला। एक दिन मांगते - मांगते सेइ राजाक घार आउला। जखन गित गाउअए छउआंए तखन अकर बेहिन टिञ भाभ बुझलाक। जे दुइ भाइ बेहिन केंद खाए त हामराइ आउअल रइह आर पानि आनेक जालांए मंए आउअल रहं! हए पारे

इटा मरे भाइ हेके। नाच देखाल बादे अकर बेहिनटि आउलि आर बारता कहि देलेइक।

राइते छउआ बांदर लेके आउअल आर राजाक दुआइर छए बेहिनके बाहराए घार चलल। मांइए बापे एतेक दिन बादे घुरल छउआके देखि रिझे हेला बांदरअ अखरे संग रहे लागल।

केहनि - 4

गपि - चंदरअ

दुइ भाइ रहत। एखर एकटि बेहिन रहि। बड़े भाइकर बिहा हेल रहेइक। दुइअ भाइ सिकार जात। घार घुरले बेहिन कर हाथे लटा पानि देखि हांसराज आर पेंइख राज घड़ाले नाभत। एसने करते करते दिन जाइत रहेइन। दुइअ भाइ सिकारे जात आर जा पाउथिन सभेइ मिलि आननंदे बांटि खुंटि खाइत रथिन।

एक दिन दुइअ भाइ सिकार गेल रहत। एक जगिञ एखर बेहिनके देखल रहेइक। भिख मांगेक लाञ्से घार आउअल। बहु टिञ भिख देइकला। नि लेलाक, बेहिन टिके पाठालेइक। जेसेइ गेलि पास न हाथ धरि ज़गिञ ले पारालेइक। छाड़ि दे नि हले मर भाइ आउले जिबन लेबथु!

दुइअ भाइ घार घुरला। उदिन बहु टिञ लटा - पानि बाहरालाक। पुछलअथिक? बेहिन काहां गेलि? बहु - एक जगि आउअल रहे! मर देल भिख नि लेइत रहे, तखन मंए बेहिनके पाठालेञ न धरिके ले पारालेइक। भाइए पुछलअथिक कन डहरे गेल? बहु - आ हा डहरे गेल। दुइअ भाइए घड़ा छुटालेथिन।

कतना धुर गेल बादे, बेहिने दुइअ भाइके देखे पाउअलेइन। कॉदि कांदि जगिके कहलेइक। मर भाइ आउअतला छाड़ि दे नि हले जिबन लेबथु!

जगिञ कहलेइक चाल न आए देइहन! दुइअ भाइ पहंचा पहंचि हेला न -

जगिञ धुरा मंतर करलाक! दुइअ भाइ सिध (पाखना) हेला।

जगिञ छउआटिके घार आनलेइक आर निजेक घरनि निआर राखे लागलेइक। हिंदे बड़े भाइएक बहुक एकटा बेटा हेलेइक। छउआ बाढ़े लागल! गांउएक छउआ संग खेले जाए लागल तखन कहथिक! हेइ बिन बपेक छउआ! सभे छउआंए हांसि देथिक!

एक दिनेक दिने मांइके सुधिआलेइक मर बाप काहां? मांइए ढेइर दिन तक बापेक बातरा नि देइक आखिर माहान एक दिन कहलेइक - जे तर बाप एहे उ देसे गेल आर एखनअ नि घुरल। बेटांए भाभलाक 'अपमान ले बेस मरल टा'! मांइके जिध करलेइक। तखन मांइए कहि देलेइक। जे तर एकटि फुफु रहउ। अके एक जगिञ ले पारलेइक। अकरे पिछांए गेला आर एखनअ तक तर बाप आर काका नि घुरला।

बेटांए माएं के बाप - काकाक पिछांए जाएक जिध करलेइक। छउआ जिध त रहे! मांइए हाइर मानिके एकटा 'भुख लाडु' आर एकटा 'पिआस लाडु' बनाए बिदाइ करलेइक। छउआ चलल। कतना दिनेक बादे अकर भुख लाडु आर पिआस लाडु सिरालेइक। एखन भाभेइस भिख ना मागले पेट नि भरतेइक आर भिख मांगेक जालांए गित गाए हेतेइक।

छउआंए भिख मागे सुरु करलाक। गित गाइस -

"देंहु माहि आरउआ का चाउर,
माहि घिउ, मुंग, दाइल,
मरअ पुता गपि - चंदरअ देसे - बिदेसे जाए।"

छउआंए सुर लागाए गाए लागलाक। जे गाँउए राइत हेले अहे गांउए बासा सुतअइ। एसने करते करते अहे गांउ टाइ जाए जेटांइ अकर फुफुके जगिञ आनल आहेइक। गित सुनि गांउएक लग जड़अ हे लागला। सभे गंदरे हेला। जे एकटा छउआ आउअल आहे बेजाञ सुंदर गित

गाउअइस। लग चिल बिलाए हिंदे लेक हुंदे लेक जड़अ हे लागला। जगिक बहु कउ कहलेथिक तंए चाल। जगिक डरे घारले नि बाहराए। मिनतुक उ दिन सभेक संगे आउलि।

सभेंए कहथिक! गितगांए न बाबु - छउआंइए गितगांए -

''देहु माहि आरउआ का चाउर,

माहि घिउ, मुंग, दाइल,

मरअ पुता गपि - चंदरअ देसे बिदेसे जाए।''

सभेक त गित सुनि रिझ लागेइन, मिनतुक अकर फुफु टिञ गपि - चंदरअ नाम धरलाक, तखने बुझे पाउअलाक जे हए न हए मरे दादाक छउआ हेके।

राइत हेलेइक। छउआंए बासा लेलाक अहे गांउए। राइते फुफुञ आइके सभे बातरा कहि देलेइक। खाएकरअ देलेइक।

छउआंइ कहलेइक - फुफु तके मंए लेगे आउअल आहं! तबे जगिक बातरा तके दे हेतउ। तंए जगिके पुछबेसिक - जे बिहाने जाइहाला आर सांइझे घुरिहाला तअ 'जिउ' कहां छाड़िहा? जगिके पुछलेइक - जगिञ कहलेइक मर जिउ 'हाड़िक पेदांए' रहेइकला। दसर दिन कहलेइक - मर जिउ चुलहाक आंछिञ रहेइकला। तिसर दिन कहलेइक। मर जिउ बांसेक झुड़े आहेइक! छउआंइ बातरा पाउअलाक। गांउएक पासे तिनटा बांस बड़े निसेक सझ नजगल रहेइक। छउआ पास जाइके बांसके कहलेइक! जदि सत मांए बापेक बेटा हेक त एकटा बांस नउबे। एकटा बांस नउलेइक! फाड़लाक! कनअ निहिं! दसर टांइअ कनअ नि पाउअलाक। तिसरटा नउलेइक! फाड़लाक। न एकटि भेंभा पाउअलेइक। भेंभाके धरिके चलल फुफु पास! कहलेइक फुफु चाल एबार घार।

फुफुञ जगिक राग जानेइत रहेइक! कहलेइक! बेटा जगि आउले दुइअ फुफु बेटाके मारि मराताक। देंखे तर बापके आर काकाके धुरा मंतरअ

करि सिध करलेइन। अहे माहान तंए घार घुरि जांइ! मके रहे दे एसने। छउआंइ जिध करलेइक फुफु चाल ना। जगिञ कनइ नि बगड़ाताक। छउआक जिधे फुफु जाएक जालांइ सेरिआलि। दुइअ फुफु बेटा चलला गांउएक डहरे।

हिंदे कतना न कतना देरि बादे जगि आउअल। घार देखइस भांभाल आहेइक। आसे पासेक लगके पुछलेइन। कहि देलथिक! अहे भिख मांगि खाइत रहे सेइ छउआक संग एहे डहरे गेलि। जगिञ एकटा बड़का डांग धरलाक आर पिछांए छुटल। कतना न कतना धुरे जगिञ देखे पाउअलेइन। आरअ रागे - रागे कुदेइस आहे।

फुफुञ जगिके पेछु बाटे देखि पाउएइक आर छउआके कहेइक! आह देखिहि आउएइस। बेटा चाल घुरप नि हले दुइअके पिटि मराताक। छउआंइ कहलेइक आए देहिं न फुफु! जगि पहुंचा - पहुंचि हेल न छउआंए भेंभाक एकटा गड़ टुंगि देलेइक! तखन जगिक एकटा गड़ टुटलेइक। जगि हेकड़ हेकड़ छुटल आहे। एसने करते - करते भेंभाक दसर गड़ टुंगि देलेइक।

जगिक एधांउ चलेक जागंड़ा निहिं। तखन जगिञ बुझे पाउअलाक जे मर जिउ अकर हाथे आहेइक। जगिञ बिनति करलेइक जे मके बाचांए -! बाचांए! तखन छउआएँ धुरा - मंतरे दुइअके सिध करले रहेइन से पास छउआंए कहलेइक। मर बाप काकाके धुरा मंतर करि बाचाइहन ता हले तके बाचाबं ! जगिञ धुरा मंतर करि बाप काकाके बाचालेइन 'हांस राज' घड़ा आर 'पेइंख राज' घड़ांइ उठला। सभे घड़ांइ चापला। तखन छउआंइ भेंभाके मचड़िके मराइ देलेइक। जगि अहे ठिन काइ मरि गेल आर सभे भाइ बेहिन, बेटा घार घुरला। आर सुखे - सुखे रहे लागला।

केहनि - 5

सात भाइ एक बेहिन

एकटा राजाक सातटा बेटा रहथिक आर एकटि बेटि। सातअ भाइ सिकार करे जात। घारे बहिने रांधा - बांटा करि दे हेलेइन। सभे बेजाञन पेरेमे रहे हेला। एक दिन सातअ भाइ सिकारे गेला। हेंदे बेहिने साग तिअन रांधेक खातिर साग काटे हेलि। साग काटते - काटते किना रकम आंगुर काटा हेलि। तखन रकत बाहराइ लागलेइक। छउआ चिंताए पड़ि गेलि। भाभेइस! लुगांइ पंछलउ भाइए देखता आर भिते पछलउ भाइए देखे पाउअता। अकर बुइध नि कुलाइकला। तखन किना मने जागलेइक आर साग टांइए मेसाइ सानि देलेइक आर तिअन रांधलाक।

सातअ भाइ सिकार करि घुरला। बेहिने पानि देलेइन आर खाएक जालांइ बसालेइन। सातअ भाइए खाए लागला आर गंदराला आज तिअन बेजाञ सउआद लागेइकला। सभे काए कहला हं आइज आरअ दिनेक ले बेजाञ सउआद आहेइक। बेहिन टिके पुछलेथिक। आइज तिअन टांइ किना मेसाले जे बेजाञ सउआद लागलेइक। बेहिने कहलेइन भाइ - 'साज गड़िआंइए पिंघे जानअइ आर तेल गड़िआंइए रांधे जानअइ।' निहिं बेहिन तंए कनअ न कनअ मेसाले आहिस। भाइए 'जिगअड़ि' करे लागलउथिक तखन बहिने सभे काथा कहि देलइन। जे साग कटेइतके बेञठिञ काटा हेलंअ! रकत बाहराइ लागलि। तखन भामलं जे लुगांइ पंछलउ आर पांचिरे पछलउ तहरे देखे पाउबेहे आर कसटअ पाउबेहे, कहि मंए साग टांइए मेसाइ देलं।

भाइ गिलाक मने एकटा दुरगुन जागलेइक जे 'रकत एतना सउआद त मांस कतना सउआद लागतेइक! सातअ भाइए मिलि गुटु करला आर बेहिन टिके मारेक उपाइ करे लागला। मिनतुक छुटु भाइटाक मन नि

रहेइक। भाभलाक जे एतना आदर, पेआर करि बेहिन टिके बाढ़ाल आइहक आर आइज एकर मांस खाब! भाभलाक! सातअ भाइएक काथा काटे नि पारिके उह सामिल हेल। बेहिन टिके मारेक जालांइ, एकटा माचान बनाला। बेहिने भाइएक मनेक काथा जानि गेलि। भाइएक पास गेलि। भाइ एक उदरेक जनमल सउब भाइ बेहिन हेत आर आदर - पेआरे मांइएक दुध खाए बाढ़त आर आंइज तहरेइ मके मारि खाबेहे! मने हेइक बनेक बाघ भालुञअ निजेक भाइ बेहिन संग एसन बेबहार नि करत! भाइए कहलेथिक, बेहिन हामर लभटा बुझि हिस त, तके खाले कतनाजे आनंद पाउअब सेटा तंए बुझे नि पारबे।

भाइए मिलि एकटा माचान बना ला। बेहिनके माचानेक उपरे उठाउलेथिक। एधांउ एकाइ - एकाइ बिंधि मराबेथिक। सउबले पेहिल बड़े भाइए बिधतेइक! न बेहिनेक रदन -

"बिंधबे, बिंधबे दादा,
छातिञ पड़ल कांड़
दादा छातिञ पड़ल काड़।"

बड़े दादाक चिआरि आन बाटे गेलि। एसने करते करते छ भाइए बिंधलेथिक। मिनतुक काकरअ कांड़े नि लागलेइक। छुटु भाइटा नि बिंधे जाइत रहे। तखन सभे भाइए धरि आनि बिंधा करालेथिक। बेचारांइ आंइख नुबि आन बाटे बिंधलेइक। हलउ कंदे ले आइ करि छातिञ कांड़ लागलेइक आर छउआ मरि गेलि।

सभे भाइए मांस भाग करला आर खाला। मिनतुक छुटु भाइ टांइ मांसके एकटा टिलाहांइ तपि देलेइक। रिचिक दिनेक बादेइ उटिलहाले एकटा सुंदर बांस उपजअलेइक। बांस टा एकटा डमे देखि पाउअल आर बांसटा काटेक आदेस छुटु भाइटाके मांगलेइक! भाभलाक डम मांगि खउआ लग हेके लेगें कहलेइक। डमें बांस काटि लेगलाक आर बांसले एकटि बांसि बनाउअलेइक।

डमे रज एकर घार अकर घार जाए मांगि खाए हेलाक। न एक दिन अहे सातअ भाइएक घार आउअल। सउबले पेहिल बड़े भाइएक घारे बांसि फुंकलेइक न बांसि नि बाजलि। डमे गितगाइस -

“बाजबे, बाजबे बांसि,
इ त हेकेइक बड़े
भाइएक घार, बांसि इ
त हेकेइक बड़े भाइएक घार!”

बांसि नि बाजलि। डम छाड़ि आघु मेइझला भाइएक घार गेल। हुआउ बांसि फुकेइकला आर गितगाइस -

“बाजबे, बाजबे बांसि
इ त हेकेइक मेइझला
भाइक घार बांसि इ
त हेकेइक मेइझला भाइएक घार!”

बांसि हुआंउ नि बाजलि। एसने करते - करते छउआ भाइएक घार गेल काकरअ घारे नि बाजलि। डमे भाभेइस - “कन अटकुराक मुंह देखि बाहरालं, बांसिअ नि बाजेइस आर भिखअ नि पाअहं! आखिर माहान छुटु भाइएक घार गेल। डमे गितगाइस -

“बाजबे बाजबे बांसि
इ त हेके छुटु
भाइएक घार बांसि इ
त हेकेइक छुटु भाइएक घार!”

बांसि एसन सुरे बाजे लागलि जे सुनिके आसे पासेक सभे लग पहंचला। बांसि बाजल सुनि सभे मन महित हेला।

छुटु भाइए डमके कहलेइक। तंए मके इ बांसिटि दे! से तंइ सभे ध ान मर लेगें। मिनतुक इ बांसिटि मके दे। डमे कहलेइक - भाइ इ त तरे

बांसेक बांसि हेकि। आइज तक काकरअ आर कनअ भाइएक घारे नि बाजलि। मिनतुक तर घारे बाजलि अहे माहान तंए इ बांसि टिके राखिहिं। बांसिटि दे करि डम चलि गेल। बांसि टिके घार भितरे कनांइ गंजि देलेइक।

छुटु भाइ, रजेक निआर बिहानेइ उठि हार - गरु लेके खेते जाए आर घुरि आइके रांधा - बांटा करि खाए। मिनतुक सेइ दिन बांसिलेक अकर बेहिन बाहराइके बाड़हा - साड़हा रांधा - बांटा करि आबार बांसित्र ढुकि गेलि। छुटु भाइ घर घुरल त देखेइस मर घारे कने बाड़हा - सड़हा, रांधा - बांटा करले आहेइक! मने जागलेइक हइए त मंइए करि राखल हेम! एखन मने नि हेइकला। भाभलाक!

दसर दिन आरअ हार गरु लेके खेत गेल! उ दिनअ देखइस रांधा - बांटा बाड़हा - साड़हा हेल आहेइक। मने भाभलाक। निहिं! केउ न केउ त मर घारे ढुकेइस आर इ सउब करि जाइस। एक दिन हार जड़ि बाहराएक बाहना करि चाड़े घार घुरल! त देखेइस! जे अकर बेहिनटि बाहराइके रांधा - बांटा करे लागल आहि। चांड़े - मुंड़े घार ढुकि धरलेइक आर दुइअ बेजात्र पेरेमे आंकुआरि हेला आर दुइअ भाइ - बहिन सुखे - सुखे रहे लागला। हुंदे अखर बाकि भाइ गिलिन बेजात्र भुखा हेला आर छुटु भाइ टाक घार मांगे आउअत आर खात। छअ भाइए निजेक भुलटा जानला आर बेजात्र पसताला।

केहनि - 6

एकटा राजाक सात टि बहु

एकटा राजाक सातटि बहु रथिक। मिनतुक काकरअ छउआ नि रहथिन। एक दिन एक साधु आउअइ। साधुत्र छउआ पुता हेबथुन कहि 'आम पिसि' खाए दलेइन। साधुक देल आमटा छअ बड़े गिलिने खाला, छुटु टिके नि देलथिक। तखन अंइ 'पाटि' टा धइ - धुआ पिलाक। छुटु बहु टिके

सुरु खन लेके एकला करेइत रहथिक।

किछु दिनेक बादे छुटु टि 'भारि गाते' हेलि। बड़े गिलिनेक काकरअ कनअ लेस निहिं। छअ बहुञ फांड़ला! जदि छटकिक छउआ हेलेइक - ता हले राजांइ हामराके भालअ नि बासताक! तखन एखरे छअएइ गुटु करत! छउआ जनमअलेइ - छउआके फेकि देबिहक! सभेक एक मत हेलेइन।

थड़ेक दिनेक बादेइ छुटु रानिञ एकटा बेटा आर बेटि नजम देलइन छअ रानिञ राइतेइ दुइआ छउआके कुमहार गाढ़ांइ फेकि देलथिन। ढेइर दिनेक बादे छउआक मुंह देखम कहि रिझे हेल रहे राजा। मिनतुक छअ रानिञ बातरा देलथिक जे मरल छउआ जनमला। मरल छउआ जनमल सुनि छुटु रानिके घार ले बाहराइ देलेइक। छुटु रानिञ नेदि धाइरे थिथि पाउआलाक एकटा झाड़ेक हेठे। भिख मांगि दिन काटे हेलि।

बिहाने कुमहार आर कुमहारिन माटि कड़े गेलां एखरअ छउआ पुता नि रहथिन। कुमहार गाढ़ांइ दुइ झन छउआ देखि बेजाञ रिझे हेला। कहला! भगबाने देले आहे। 'अटकुरा जिबन धुर हेलेइक'। चाल नि हले राजा निआर अटकुराइ रहेइतेलिह? कुमहार - कुमहारिने छउआके बड़अ करे लागलअथिन। बड़े हेला न बेटांए कहेइक? 'मके काठेक घड़ा किनि दे?' बेटिञ कहेइक, 'मके सुपलि डालउआ किनि दे'। कुमहारे दुइअके किनि देलेइन।

बड़े हेले गेला गांउ बाटे खेले आउअत। राजाक बांधे नाहात। तखन छउआ टांए काठेक घड़ाके कहेइक - 'बापेक बांधे पानि पिउअ - पिउअ, छपर - छपर। एसने भाभ रजे दुइअ भाइ बेहिने कहत। रानि जखन नाहाए आउअत तखन इ काथा सुनि सहे नि पारला। कहला, 'बापेक बांधे पानि पिउआ - कुमहारेक छउआक कखन राजा बाप हेलाक? एखराके बांधे मारि तपि दे हेतेइक।

छउअ रानिञ दुइअ भाइ बेहिनके मारिके बांधे डुबाउलेथिन। डुबाल

बादेइ - बांध लेक दुइटा सालुक फुल खुब सुंदर उपजअलेइक। देखि लग महित हे लागला। राजाके बातरा देलथिक। राजा साहेब तहर बांधे दुइ टा फुल बेजाञ सुंदर फुटल आहेइक। गटा गांउएक लगे देखेक जालांइ भिड़ लागालआहात। राजाउ बांध आउअल। राजांए देखेकि हकचकाल! राजांए फुल बांध लें तरि बाहराएक आदेस देलेइन!

राजांक लग फुल तरे बांधे हेलला। फुल धुर बाटे पाराइक। राजांए पेहिल कामिनके पाठालेइक! फुल दुइअ पास हेइक आर कामिन - झामिन पास ना हिस कहि धुर पाराइक। एकर बादे छउअ रानिके पारि - पारि पाठाइन। फुल पास हेइक आर हाथे धरे खजत न 'दुसमन मांइ कहि' पाराए धुरेइक। राजांए निजे गेल मिनतुक राजाक हाथअ नि आउअएइक। राजांइ राइजेक सभेके पाठालेइन मिनतुक फुल काकरअ हाथ नि आउअलेइक। राजांइ भाभलाक कन बांचल आहे! सभेए कहलअथिक छुटु रानि! महाराज।

छुटु रानि नेदि धाइरे भुखे पिआसे! जरे जर जर हेल आहि! उठेक जांगड़ा निहिं। राजांए कहलेइन! पालकिञ बसाए आनाहाक। छुटु रानिके पालकिञ बसाइ अनलेथिक। जेसेइ बांध हेलल आहि, तेसेइ दुइअ फुल कुदि पास हेलेइक आर रानिञ आंकउआरि करम कहलाक न दुइअ छउआ छातिञलरकि दुध पिए लागलेथिक। राजांए बुझि गेलाक जे कनअ न कनअ चाइल अहेइक। राजांए अति आदरे छुटु रानिके महले लेगलेइक आर बातरा पुछलेइक। छुटु रानिञ सभे बातरा कहि देलेइक जे मके छअ दिदिञ किना रकम सातांला।

राजांए सभे चाइल बुझि पाउलाक आर एकटा कुआं खनाए लागलाक। कुआं खनल परे राजांए कहलेइन छअ रानिञ पुजा करा। तहरअ छउआ पुता हेबथुन! मिनतुक सउभ एक दसर संग बांधा बांधि हेले। जेसेइ पुजा करे बसला। राजांइ एकांए एकांए छअ रानिके कुआंइ अबरअ करि गिरालेइन आर कुआंके तपि देलेइक। राजा आर छुटु रानि छउआ संगे खुसि

खुसि रहे लागला। अहे माहान कहल गेल आहेइक -

"एक रानिञ ठाकुर, दुइ रानिञ - कुकुर
तिन ले बेसि रानिञ, भालइ भाकार भुकुर।

केहनि - 7
सात बेटा आर सात बेटि

एकटा राजाक सातटा बेटा आर एकटाक सातटि बेटि रहथिन। बेटा गिलिन सेआन सामरथ हेल रहत। हुंदे बेटि गिलिनअ सेआन हेल रहत। बेटा गिलिनेक बिहाक जालांए राजांए कनेआ खाजे लग पाठालेइन आर कहलेइन! जन राजाक सात टि बेटि आथिक, अहे राजाक घारे कुटुम जड़ा हेतेइक। राजाक लग छुटला कनेआ खजे।

हुंदेक राजाकरअ बेटिक जालांइ बर खजे लग पाठालेइन आर कहलेइन! जन राजाक सात टा बेटा आथिक, अहे राजाक घारे घार जड़ा हेतेइक। हुंदे लेकअ लग आउअत ला आर हिंदे ले कअ लग जातला! हेनअ संजगे एक नदि इ कुल आर उ कुल भरल आहेइक। ना त हिंदेक लग के हुंदे पार हेक जांगड़ा हेइनला आर ना हुंदेक के हिंदे पार हेक जांगड़ा हेइनला!

एहे माझेइ दुइअ बाटेक लग कर बातरा जाना - जानि हेला आर गंदरा - गदरि हेला जे! अखरअ कउ सात टा बरेक दरकार आर हामराकउ सात टि कनेआक दरकार आर इटाउ जानला जे अखराउ राजाक बेटाइ हेकत। दुइअ बाटेक काथा बातरा हेलेइन आर अहे ठिन का 'सुता छिटलेइन' ताकर बादे दिन - खिन नेग - जग धरा - धरि करला।

दिनेक हिंसाबे बर - बरिआत चलला कनेआ घार। मिनतुक बर मइधे बड़अ भाइ नि गेलाक। अकर पालकि संग 'खांड़ा - फेरि' चलि गेलेइक। रिझे रंगे मातल लगे कहे लागला 'कए कसेक डहरे जाप'? केउए

कहेइस सात कसेक केउ कहेइस बारह कसेक। आखिर बारह कसेक डहरे जाएक फइसला हेलेइक आर बर बरिआत चलला। घारे बड़े बेटांइ एकटा 'सुता टानले रहे?' जदि कनअ अपघटन हेले सुता छिंटतेइक नि हले कनअ नि हेतेइक।

बर - बरिआत पंहचअला कनेआ घार। बाज - बाजनाक माझे सातटा पालकि आहेइक। दुइअ बाटेक लग रिझे रंगे बिरअसल हेत ला। सातअ कनेआ निजेक - निजेक बरेक पालकि (जाहाज) पास गेला। छअ कनेआए निजेक बर पउलेथिन। मिनतुक 'बड़अ कनेआंइए बर नि पाउलेइक! अकर पालकि टांइ केबल खांड़ा आर फेरि' आहेइक। बड़े कनेआ कांदि - कांदि अकर बाप पास गेलि आर कहलेइक। गित -

'छअ जाहाजे बापु
छअ कुंअर गअ!
बड़अ जाहाजे बापु
खांड़ा न फेरि गअ !

बापे कहलेइक -

छअः जाहाजे बेटि!
छअः कुंअर गअ!
बड़अ जाहाजे बेटि
खाड़ा न फेरि गअ
तरअ जे लिखल बेटि!
कलमे कपाल गअ!
छअ देखि बांधबे दिल गअ!

एसने करते - करते अकर मांइक पास गेलि, काकाक पास गेलि, सभेंइ एहे जबाब देलिथक। ताकर परे बड़े टिक बिहा अहे खांड़ा - फेरिज

हेलेइक। बिहा सरलेइक। बिदाइ हेलेइक। चाड़े - चाड़े घार घुरेक जालांइ एखन बारह कसेक डहरे ना आइके सात कसेक डहरे बनेक माझे सभे बाजा - गाजा कनेआ बरिआत चलला। जेसे चांड़े - चांड़े घार पहंचब!

बनेक माझे एकटि राइकस आकास - पाताल हा करले आहि आर कए बछर लेक भुखा आहि। बनेक डहरे सभे बर - कनेआ बर - बरिआत, गाजा - बाजा, सउबके गिललेइन। हिंदे बड़े भाइएक टानल सुता छिंटलेइक। बड़े भाइए बुझे पारलाक जे कनअ अपसगुन घटलेइक। बड़े भाइ तुरत घाड़ांइ बसिके छुटल। बने राइकसे सभेके कपे करले आहेइन। बड़े भाइए एकटि चिआरि बिंधलेइक। राइकस कर पेट फाड़िके चिआरि एकटा पाहाड़ेक पाखनांइ गबचअलि।

सभे बर - बरआित राइकस कर पेटले बाहराला। बड़े कनेआइ अकर बर देखि बेजाञ रिझे हेलि। बड़े भाइए सउब भाइके आदेस देलेइन - एकांए - एकांए जा आर चिआरि टि ले आनाहाक। मिनतुक गबचल चिआरि केउ झांके नि पारलेथिक। बड़े भाइ गेल आर बिना कसटे चिआरि के सुगुम झांकि आनलेइक। छअ भाइए भाभला दादाक बेजाञ बल आहेइक? एञ त हामराके राज पाट देताक निहिं। एहे चिंता भाभना करि बड़े भाइके एकला करलअथिक, आर अके राइजे ढुके नि देलथिक। मिनतुक बड़े भाइ कर कनअ राग-रस निहि। उलटा छटअ भाइ गिलिनके पेआर, आदर भालअबासा आर आसिस दे के आन जाइगा चलि गेलाक।

छअ भाइए मांइ बापेक आपा मार लेला आर सुंसार - बासार करि दिन काटे लागला। दिन काटेक त कनअ कसटअ निहिं, देसेक धन इफरात रहेइन। हुंदे बड़े भाइ निजेक बहु संग बेजाञ कसटअ करि दिन काटे लागलाक। मिनतुक बड़े भाइ बेजाञ धारमिक आर समाजिक रहे लगेक संगअ बेजाञन भाभ रहेइक। कसटअ करि जतना धन कामाइत रहे ताकर आधा धरमेक नामे आर गरिबेक नामे बाटेइंत रहे। एहे रकम करि आसते

आसते धन जमा हेलेइक आर आसे पासेक लगे राजा माने लागलअथिक। मिनतुक केउए नि जानथिक जे उ फानला राजाक बेटा हेके।

हिंदे छअ भाइएक धन धिरे - धिरे सिराले गेलेइक। कारन बतअ करल धन खाए लागला आर धन जमा करेक हुनर नि हेलेइन। आसते - आसते धन सिरालेइन। पेटेक चांड़ाले एकर - अकर घार जाए काम - उध ाम, भुति - निति करि दिन काटे हेला। हुंदे बड़े भाइ एकटा बिराट राजा हेल आर उ राइजेक गरिब - दुखिके धन बांटि दे हेलेइन। मिनतुक सभेके निजेक करम करे कहलेइन? सभेएं कनअ न कनअ काम करत? काम करि अरजिके खाले, दस पिढ़ि तक रहेइकला। बसि खाले एक पिढ़िक बादे ढु हेइकला। एहे रकम करि राजाएं कामअ लेइन आर दामअ देइन। समइए - समइए देसालाइर हेइक। एहे माहान देसेक लग बेजाञ रिझे रंगे रहेइत रहत।

हिंदे छअ भाइए जखन सुने पाउअला जे अखर दादा मसतअ निसेक बड़े राजा हेल आहे। सरमें एखन किना करप नि करप कहि दादाक पास जाए काम मांगेक धांधा करला। मांइ बाप आर छअ भाइ अखर बहु संभे चलला। सेइ दिन राजांइ गटा गांउएक लकके बड़े भज देले आहेइन। एखराउ सभे मुंह ढापि गरिब लगेक पांञतेइ बसल आहात। राजाक निअम रहेइक जे रानि संग निजेक हांथेइ खाएक देइत रहेइन। एहे समए किछु लग मुंह ढांपि - ढांपि बसल आहात। राजांइ मुंह उघराएक आदेस देलेइन। मिनतुक लाजे केउ नि उघराला। तखन सेनाके आदेस देलेइन! सेनांइ ढापल लुगा मुंह ले संसराउअला! देखेइनला! निजेक - बाप मांइ, भाइ, भाइएक बहु! बुझलाक! भाइएक करमे इ अबसथा मांइए बापेक हेल आहेइन। कारन बापेक पेरिआइए त कनअ दिन कट - किना नि हेल रहेइक आर हामरा सेआन - सामरत हेलिह! सभेएं गड़े धरलेथिक! बापे - मांइए गड़े धरल पाप टा सहे नि पारलाक! आर भुंजके फाटे कहलेइक? भुंञ फाटलेइक? दुइअ राजा - रानि ढुकि गेला।

केहनि - 8

सालु कुंअर गेंडु राजा

एकटा नेदिक धाइरे एक नउंआ आर नउंएन रहेइत रहत। नेदिक धाइरे छुटु मुटु घार, नउंआए नेदि भरेइक तखन बहाए आउएक से झुड़ि झांटा छांकि घारे आनए। नउंआ नउंएन कर छुउआ - पुता नि रहथिन। तार माने नि हेइत रहथिन। मन मारि छउआक आसा में दुइअ बुढ़ा - बुढ़ि रहे लागला। एक दिनेक दिने नेदि उपुल - डुबुल भरल रहेइक। बेइरसा कर दिन। दम झुड़ि झांटा बहाइ आउएत रहेइक। नउंआ नेदि हेलल। किछु खनेक बादेइ एकटा बिराट काठके बहाए आउएत के देखलेइक। नउंआए हिचा चड़अ करि नेदिक बाहेइर करलेइक आर घार आनलेइक।

रिचिक देरिक बादेइ नउंआए काठके फाड़े लागलेइक। फाड़ते फाड़ते काठेक भितरले काथा सुनालेइक जे धिरे - धिरे फाड़े। नउंआ सुनि अकबकाल जे कने मर संग काथा कहलाक। फेइर रिचिक देरिक बादे रमे - रमे फाड़े लागलाक तखन आबार अहे। काथा टा सुनि पाउअलाक। नउंआए काठ के फाड़लेइक। तखन देखेइस जे एकटा खुब सुंदर छउआ काठेक भितरे आहे।

नउंआए चाड़े - मुड़े छउआके बाहेइर करलेइक आर घार भितरे अकर बहुके कहे लागेइक जे भगवाने हामरेके छउआ देलाक। नउंआ - नउंएन छउआ के बेस आदरे - पेरेमे बड़े करे लागलेथिक।

छउआक नाम देलथिक 'सालु कुंअर गेंडु राजा'। सालु कुंअर देखेक सुनेक बेजाइ बेस गात अकर सना निआर चमकेइत रहेइक। 'सालु कुंअर धिरे - धिरे बड़े हे लागल। तखन अकर मांए - बापके कहलेइन, जे मके चामेक एकटा झुला टिपाए दे जेसे घेंचा ले गड़ तक गहड़उक। नउंआ नउंएने जेटा कहेइत रहेइन सेटाइ आनि देइत रहथिक काहे न इटा एखर

साधेक बेटा रहेइन। नाहान धउआन घारेइ करेइत रहे।

एक दिनक सालु कुंअरे मांइ - बाप के कहलेइन जे आइज मंइ नेदि नाहाए जाम? मांइए - बापे जांए कहलेथिक। मिनतुक चांड़े आउबे! छउआ गेल आर नेदिञ नाहाइ लागल नाहाते - नाहाते अकर एकटा मुड़ेक चुइल छिटलेइक। सालु कुंअर कर चुइल एतना बड़े - बड़े रहेइक जे गड़े घिंसरेइत रहेइक। नेदि माझे बसि भाभे लागलाक जे एतना बड़े चुइल जदि नेदिञ फेंकि देञ ता हले मांछ - खांखड़ा बाझि मरता आर टाइड़ें फेंकि देञ ता हले चेरेइ चुनगुनि बाझि मरता। तखन सालु कुंअरे एकटा डुमेइर गाछले लाल पाकल डुमेइर फर पाड़लेइक आर अहे डुमेइर फरे छेंदा करि चुइलके ढुकाइ देलेइक आर नेदिञ बहाइ देलेइक।

हेठ बाटे एक राजाक बेटि आर अकर कामिन - नाहाइत रहत। राजाक बेटि धुरेले देखि पाउए जे एकटा लाल लाल फर बहि आउएक ला। राजाक बेटिञ अकर कामिनके उ लाल फर टि छांकि आने कहलेइक। जेसेंइ कामिनके आढ़ालेइक - छांके। फरे कहेइकला 'कामिन - झामिन' आर धुर बाटे पारालेइक। से देखि राजाक बेटि निजेइ गेलि आर फरके धरलेइक। फर टिके खाएक जालांइ दुइ फाड़ा करलेइक। एक फाड़ा कामिनके देलेइक आर एक फाड़ा निजे खाए लागलेइक। फरटि खाइतके राजाक बेटिञ देखेइस जे एकटा लगेक चुइल आहेइक। चुइल नापलाक त सात हांथ ढांगा। राजाक बेटिञ चिंता करे लागलाक! जे एतना बड़े चुइल काकर हे पारेइक!

घार आएके राजाक बेटि उदास रहे लागलि कनअ खाए नि लागलि। राजा कर एकटि मातरअ बेटि। बेटिके उदास देखि राजा आर रानिकर मने चिंता हे लागलेइन जे काहे बेटि उदास आहि। तखन राजांइ रानिके पाठालेइक जे! जा न किना कारअने छउआ टि उदास आहि पुछि आउइहिं। रानि पुछे गेलि - कहलेइक, बेटि तंए किना लाए एतना उदास आहिस कनअ खाउआ पिउआ नेखउ आर न बात बिचार आहउ। तंए जेटा

खाबे सेटाइ तर जालांइ आनि देबं! तर बाप देसेक राजा जखन कहेक तखन तंए पाउबे!

बेटिञ कहलेइक मर जदि एकटा काम करि देबेहेन ता हले मंए ठिक रहम आर नि हले निहिं। रानिञ कहलेइक तंए कहे त। तखन बेटिञ आंचरे बांधल चुइल टा अकर मांएक बाटे बाढ़ाए देलेइक आर कहलेइक जे इ लग टा जाहां आहें; एके खजि अनाहाक मंइ एकर संग बिहा लेम। रानिञ कहलेइक एतना टा काथा - बास एतना टा!

घुरि दिने राजांए ढल पिटाइ देलेइक आर आपन सेनाके खजे लाए आदेस देलेइन। सिपाहि चाइर बाटे खजे लाए चलला जे काकर सात हाथ चुइल आहेइक। सालु कुंअर खाउआ दाउआ करि चामेक झुला पिंधि बानि डिंगक उपरे बसेइत रहे।

सेना छुटला - एकटा सेनांए एक डमके पाउअलेइक टंकि बुनेइतके! अकरअ हिंसाबे एक दुइ हाथ लांबा चुइल रहेइक। सिपाहिञ कहलेइक ए भाइ चाल तके राजांए डाकले आहउ राजाक बेटि संग तर बिहा हेतउ।

डमें सुनि टंकिके फेंकि देलेइक आर चाड़े माड़े सिपाहि संग चलल। घार पंहचि देखलेथिक त डम कर मातरअ दुइ हाथ चुइल लांबा आहेइक। अके पिटि पारा करालेथिक।

हेनअ संजगे 'सालु कुंअर गेंडु' राजाके देखे पाउथिक। सालु कुंअर गेंडु राजाके राजाक काथा सुनालेथिक। तखन सालु कुंअरे कहेइन जे मर गटा गात टा घाउ घस हेल आहेइक मंए बानि डिङ छाड़ा कांहु बसउ नि पारं, चलउ नि पारम। राजाके खबर करलेथिक, जे एहे रकम बेपार। राजांइ कहेइन तहरे पालकि लेगा आर बहि आनाहाक।

सालु कुंअरके पालकिञ बहि राजाक घार पहंचालेथिक। देखेइत केइ छउआंइ चिनहिं लेलेइक आर उकर संगे बिहा हेलेइक।

राजांइ अके भिनु घार रहेक खातिर देलेइक संगे - संगे कामिन

झामिन सउभ देलेइक। सालु कुंअर हुंआइ रहे लागल। सालु कुंअरे कनअ दिन अकर बापेक किनि देल चामेक झुला टा नि गुचाए। निसा भग राइते घार लेक बाहइरे जाए।

एक दिनेक दिने जखन ठिक निसा भग राइत हेल आहेइक। तखन सालु कुंअर बाहराइके जाइस आहे। तखन अकर कामिने पेंछुइ - पेंछुइ पिछा करलेइक जे देखु न सालु कुंअर काहां एतिक राइते जाइस?

सालु कुंअर सझ नेदि बाटे जाए लागल। निझुम राइत, चेरेइ चुनगुनि राटिक नि गागात सेइ तखन सालु कुंअर नेदि नाहाइ खातिर आउअल। चामेक झुला गुचाइत केइ आस - पास टा आलअ हे लागलेइक।

इ सउब देखि कामिने आपन मालकिन के कहि देलेइक, अकर बिसास निहेइक तखन निजेक आंइखे देखेक जालांइ एक दिन राइते कामिन संग गेलि। अंइअ देखि अबाक हेलि। तखन आइ करि अकर बाप, राजाके कहि देइक जे तर जाआंइ एहे रकम आहे।

एक राइते राजाउ देखे खातिर गेल। राजा देखि मुरछा हेल आर अहे ठिन काइ गिरल। रजाके कनअ रकम करि घार आनलेथिक। सालु कुंअर कर सना रकम झलकल गात देखि राजाक मने राग हेलेइक आर अपमाइन हेल। तखन सालु कुंअरके मराएक चेसटा करे लागलाक।

एहे चिनता धारांइ चाउर मुंजि देखाए गेल। तखन सखा देउनाए कहलेथिक जे तंए आपन परजाके ले करि सिकारे जांए आर दरकार हेले। तंए आपन जाआंइके दान करि देसिक आर इ काथा काकरअ पास ना कहिस। राजांए आपन मनेइ काथा राखलाक।

घार आए करि नगरे ढल पिटालाक जे एहे दिन सउबके बने सिकार करे जाए हेतेइक। जाबतअ परजा आपन - आपन हाथि घड़ा निजेक - निजेक जेसन साधन रहेइन तेसन ले सिकारे चलला। एहे संगे संगे सालु कुंअरअ चलल। केउए नि जानत जे सिकार कर मुल बेउरा किना हेकेइक?

सभे काए एहे भाभत जे खुसि खुसि सिकारे जाब आर चेरेइ - चुंगुनि जिब - जन्तु आनबेइत।

राजा आर परजा सभे एक अखंड बने ढुकि गेला सिकारेक जालांइ। सात दिन आर सात राइत रहला। मिनतुक कनअ केउए सिकार नि पाउलउथिन। गरमेक दिन परजा पानि पिआसे लुरु पुरु हे लागला। पानिक जलांइ हिंदे हुंदे जाइ लागला। सभेए राजाके कहथिक? राजाउ हुआंका लाचार आहेए जे केसे काहां पानि पाउआतेइक आर एहे रकमें आघु बाटे बाढ़ले जातला तखन एकटा काड़ाक पांजे एक चुरका पानि देखे पाउला। सारना मांइए कहलेइन जे राजा हिआं तके काड़ा, भेड़ा ना हले जाउआंइ दान लागतउ! तबे तंए परजाके पानि पिआसे बाचाबेसिन। आउआज सुनि सउब अबाक हेला जे कने कहलाक आउआजटा 'सारना मांइएक' रहेइक! आर बनेक भितरे काड़ा - भेड़ा ना पाए करि आपन जाउआंइके दान देलेइक। देखते देखते हुआं एकटा बांध बनि गेलेइक आर अहे बांधे सालु कुंअर ढुकि गेल। सभे परजांइए पानि पि आपन पिआस बुझाला आर घार घुरेक उपाइ करे लागला।

सालु कुंअर कर दुइटा कुकुर रहथिक। से सभउ सिकारे गेल रहथिक। अखरे आपन मालिक ना देखि दम भुके लागला आर पेहिले घार पंहचि गेला। राजाक बेटिञ दुइअ कुकुर कर भुकल देखि आर सालु कुंअरके ना देखि पाए मने चिनता हेलेइक। जे मर पुरुसकर कनअ नि कनअ घटना हेल आहेइक! कुकुरे अकर साड़िके चाबि टानिए आनथिक। तखन राजाक बेटिअ चाड़े मुड़े कुदा कुदि सालु कुंअर कर पिछांइ आए लागलि।

कतना नि कतना धुरआउअल बाद देखेइनलाजे सभे सिकारिआ घुरत ला आर मर पुरुस काहां रहल! तखन सउबले आघुंइ अकर काका रहेइक अके कांदि कांदि कहे लागलेइक।

गीत - "कहं ना कहं काका - सालु कुंअर

गेंडु राजा कतिक दले आउएलां!"

काकांए कहेइकला - "कहं ना कहं बेटि - सालु

कुंअर गेंडु राजा पेछुक दले आउएलां!"

अकर काकांइ मिछा काथा कहि देलेइक। ताकर बादे अकर बापके पाउलेइक। अकर बापउ अहे काथाइ कहलेइक, जे पेछुक दले आउअतला। एसने सभेए भिंछा काथा कहला। सउब पेछुञ राजाक पुरना काम करा रहे अंइए कहलेइक। बेटि काकरअ पास ना कहिस तर पुरुसके तर बापे बांधे दान करले आहेइक!

छउआ तखन आरअ रागे - रागे कांदइस आर कुदा कुदि आघु बाटे कुदले जाइसा। सउब लग सिराला। निझुम बने कुकुर कर संगे ढुकि गेलि आर जे जाएगा टा माहान अकर पुरुसके दान देल रहेइक। अहे ठिन का कुकुरे लेगलेथिक।

उठिन का एकटा बड़े निसेक बांध बनि गेल रहेइ। छउना बांधेक पिड़े बसि कांदे लागलि। तखन एक धबिन हुआं लुगा धउए आउलि। धबिने छउआके कहलेइक, तंए जाकर जालांइ कांदिसला से उ त पानिक भितरे झुमेइर नाच लागाल आहेइ। तंए जदि अकर पास जाए खजिस ता हले एकटा काम करे किना! कि काइल फरूआ भुंजि नाउआ सुपे ले आनें! जेसने आउबे तेसने एकटि बेञ बांधेक धाइरे आउति, तंइए अके फरुआ खाए देबासिक। खाए जखन सिराताक तखने तंइ अकर गड़ धरसिक सझे तके तर पुरुस पास पहंचातउ आर हंदे लेकअ तंए तर पुरुसके धरबेसिक तखनअ इ बेञके छाड़सिक ना! तके सझे बांधेक उपर उठातउ। छउआटिञ एसने करलाक आर बेञके फरुआ खाए देलेइक जेसेइ सिरालाक तेसेइ अकर गड़ धरलेइक। बेञए सझा अके अकर पुरुस ताहां ले आनेलेइक देखेइकला अकर पुरुसे गपिन कर मांझे झुमेइर नाच लागाल आहे। तखन अके धरलेइक आर

उपर अठालेइक आर ताकर परे सुखे - सुखे रहे लागला हेंदे अकर बापकर पाप लागलेइक आर राजा ले भिखारी हे गेल।

केहनि - 9

एक राजाक - एक बेटा आर बेटि

एकटा राजाक एक बेटा आर बेटि रहथिक। छउआ बड़े हे लागला। गांउएक छउआ संग खेलत - कुदत आर बांधे नाहात। नाहाइत - नाहाइत छउआंइ कहथिक - एतना बड़े राजाक बेटा आर एकटा बांध खनाए नि पारिसला। निते - निते इरखा काथा सुनि राजाक बेटाक मन गसा हेलेइक। मनगसा देखि राजांए सुधिआलेइक, बेटा किना हेलउ? राजाक बेटांए तिखराउलेइक, 'मके नाहाए जांउ तखन गांउएक छउआंइ रउज इरखा मारत।'

एतना बड़े राजाक बेटा आर लगेक बांधे नाहाए आउइसला! राजांए कहलेइक एतना टा काथाक जालांए! तंए मनमारु करि ढंनगल आहिस।

दसर दिन लेके राजांए बांध कड़ाए उचरालाक। बांध कड़ि - कड़ि आनसाए जातला हलउ बांधे आर पानि नि बाहराइकला। राजाक बेटा चाउर - मुंजि देखाए गेल। सखांए कहलेथिक - बांधे बेहिन दान लागतउ तबे उ बांधे पानि संघरअतेइक। राजाक बेटा फिकिरे पड़ि गेल। राजा बेटाके मनमारु देखि, काकरअ पुछेक साहास नि करला।

राजाक बेटांए कहलेइन - काइल बांध हेठेक खेत टा मंए जते जाम! बेहिने जेसे बेसिआम टा पहंचाइह! राजाक बेटा हार जते गेल! आर कहल निंआर अकर बेहिने बेसिआम ले के गेलि। बेहिनटि जेसेइ बांध पिंड़ उठल आहि तेसेइ बांधे पानि जरकअलेइक। बेहिन टिञ दादाके कहलेइक - दादा! हामर बांधे पानि जरकअलेइक! दादांइ कहलेइक जा न बेहिन पानि भरि

आने? बेहिनटि गेलि त एक 'सुपलिगड़' पानि हेलेइक - बेहिने गितगाइके कहलेइक -

"सुपलि भइर भइर पानि जे दादा
ताउ ना भिंजे सनाक ढेलुआ -
दादा! ताउ ना भिजे सनाक ढेलुआ!"

राजाक बेटांइ आर रिचिक सामाए कहलेइक -

तखन बेहिन टि आर रिचिक सामाइलि-त
"नारहाठा तक पानि हेलेइक - बेहिन
"नारहाठा भइर-भइर पानि जे दादा!
ताउ ना भरे सनाक ढेलुआ
दादा! ताउ ना भरे सनाक ढेलुआ!"

दादांइ कहलेइक आर रिचिक सामाए। तखन आर रिचिक सामाइलि न एक हांठु हेलेइक। बेहिन -

"हांठु भइर-भइर पानि जे दादा!
ताउ ना भरे सनाक ढेलुआ
दादा! ताउ ना भरे सनाक ढेलुआ!"

दादांइ आर रिचिक सामाए कहलेइक - तखन आर रिचिक सामाइलि एक डांड़ा पानि हेलेइक - बेहिन -

"डांड़ा भइर-भइर पानि जे दादा!
ताउ ना भरे सनाक ढेलुआ,
दादा! ताउ ना भरे सनाक ढेलुआ!"

दादांइ आर रिचिक सामाए कहलेइक -

बेहिन आर रिचिक ढुकलि एसने करते - करते मुंड़ तक पानि आउलइक आर कुपले बांधे डुबि गेलि। माझ बांध टांए एकटा जाइत गाड़ला।

घारे बेहिन टिक एकटि 'रुपु' रहेइक। काकरअ देल खाए निहिं! भुख - पिआसे छटपटाए लागलि तखन 'घारि' टा छए देलथिक सझे उड़िके बाँध आउलि आर जाइत गाड़ल खुंटाआंए बसलि। रदन धरेइस -

"सुनअ - सुनअ गे रएमतिन दिदि
भुखे परानअ जाए!"

तखन दिदिञ बांध भितर लेक कहेइकला -

"सुनअ - सुनअ गे रएमाला सुगा,
भाटु घार जाबे दुध - भात खाबे!"

रुपु संगे - संगं उड़लि आर अकर भाटु घार पहंचलि भाटु घारे घरनाए बसि रदन धरेइस -

"सुनअ - सुनअ ह रएमतिन भाटु
दिदिंञ डाकउला।"

अकर भाटु कुदि बाहराल आर भाभेइस

जे केसे घारि लेक बाहराए के हिंआ आउलि! जरुर कनअ नि कनअ घटना हेल आहेइक। भाटुञ रुपुके घार भितर करलेइक आर दुध - भात खाउआलेइक। रुपुञ बातरा देलेइक जे खनाइत रहेइक से बांध टांए दिदि डुबल आहि! अकर भाटुञ, कदाइर, साबड़ धरलाक आर दानदनाए के बाँध ा पास आउअल आर बांधके काटे लागलेइक। बांधेक पानि हाड़हाड़ाइके बाहरालेइक। बांध सुखि गेलेइक न अकर बहु बाहराइलि आर भाटु बेहिन, रुपु सभे निजेक घार आउला।

केहनि - 10
साहड़ा रानि

सात भाइ रहत। मांइ - बाप नि रहथिन। छुटु भाइ टाक बिहा नि हेल रहेइक। बड़े भाइ गिलिने भिनाइ देलथिक। घारे बाहिरे करि देउआ लग निहिं। बिहाने हार - गरु लेके जाए, घार घुरे तखन रांधि बांटि खाए। एक दिन निचाल रउदे घुरेइस। रउद सहे ना पारिके एकटा 'साहड़ा डाइर' मुड़ेक उपरे राखिके छांहेइर हेल आहे। घार पहंचल न ' साहड़ा डाइर' के छाछांइ गंजि देलेइक।

रजेक निआर कामे जाए। उदिनअ गेल । तखन हेंदे 'साहड़ा' डाइर लेक 'साहड़ा रानि' बाहराइ - घार - आनगा, रांधा - बांटा करि 'साहड़ा डाइरे ढुकि घुरइ। घार आउअल बादे देखेइस आहे - रांधा - बांटा, धउआ - माजा सभे करल आहेइक। पेहिल दिन भाभलाक हए त मंइए करल रहं। दसर दिन आरअ देखेइस आहे जे! रांधा - बांटा, घार आनगा करल आहेइक।

मने - मने भाभलाक! जे मर घार कन ढुकेइस? आर कुलुप लागाल माहान केसे ढुकेइस! कुलुपअ जेसन देल तेसने आहि! एक दिनेक दिने, हार - गरु लेके बाहराल आर रिचिक धुर जाइके फाकले घार घुरल। तखन केउआरेक फांके देखेइस किना! जे साहड़ा डाइर लेक 'साहड़ा रानि' बाहराएके रांधा - बांटा करे लागल आहि। दुआइर टाके सुगुम - सुगुम छलेइक, आर जाएके आंकउआड़ि करि धरलेइक। साहड़ा डाइरे आर ढुकि सामाइ नि पारलि।

दुइअ लग तिरि - पुरुस निआर रहे लागला। साहड़ा रानि बेजाजन सुंदर रहि। एकर जालांइ सांखा - चुड़ि, सना - चांदि किनि देलेइक। दुइअ तिरि - पुरुस खुसि - खुसि रहेइत रहत। मिनतुक अखर खुसिटा बेसि दिन रहलेइक नांइ। एक राजांइ जर करि लेगलेइक। तखन इ हार - गरुके लेके

खेत गेल रहे।

घार घुरि देखेइस त घार भांभाल आहेइक। लगके पुछलेइन? लगे कहलेथिक तर बहुके राजांएले पारालेइक। 'साहड़ा रानिक' बिना एक डंड़ेकअ रहेक मन नि करलेइक आर साहड़ा रानिक पिछांइ चलल। गांउए - गांउए, डहरे - डहरे, गित गाइ गाइ, खजेइकला

'फाटअ रेसन लुगा कर कांथा टिपालं,
सना रेसन सांखा कर मांदलि गाढ़ालं,
कंदे गेलि मर साहड़ा रानि!"
एसने गित गाउले - गाउले जाइस अहे।

हेनअ - संजग अहे राजाक राइजे पहंचल। गांउएक बेटा छउआ - बेटि छउआ गित सुनेक जालांइ घार लेक बाहराला। मिनतुक राजांइ 'साहड़ा रानिके' नि जानेइत रहेइक केबल सुंदर देखि ले पाराल आहेइक। सभे लग गित सुने आउला। गित गाउएइस -

"फाटअ रेसन लुगा कर कांथा टिपालं,
सना रेसन सांखा कर मादलि गाढालं
कंदे गेलि मर 'साहड़ा रानि!"

अहे भिड़े साहड़ा रानिअ गित सुने आउअल रहि। गित सुनेइत केइ बुझि गेलि जे इटा त मर पुरुस हेके। रानिञ त भाभेइस जे राजांए जाने पाउअले जिबन लेतेइक। से खातिर आन लगेक दारा कहा करालेइक जे तंए तर बहुके पाउएक जालांइ साहड़ा डाइर ले आने।

बुझि पाउलाक मर बहुक जिबन त साहड़ा डाइर। अंइ एकटा साहड़ा डाइर काटि आनलाक आर रानि साहड़ा डाइरे ढुकि गेलि। राजांए रानिके चाइरअ धाइर खजा करालेइन। मिनतुक काहुं खजि नि पाउलेइक। कारन साहड़ा रानिके त साहड़ा डाइरे लग टा लेके जाइस।

घार जाइके साहड़ा रानिञ कहलेइक मंइ आर तर नि हे पारम। मञ अछुत हेलं। राजांए तर इ रानिके छुलेइक। मञ आर कन मुंह लेके तर पास हाजिर हेम। तंए मके भुलि जांए आर जखन तर जेटा दरकार मके मने करबे हलेइ तर पास आए जातउ! एसने भाभ सारा जिबन मने करि रहि गेलाक।

केहनि - 11

करमा-धरमा (करम काथा)

करमा आर धरमा दुइ भाइ रहत। करमा बड़े रहे आर धरमा छटे। करमा बेपार करे सहर गेल। सहरले बेजाञ धन - समपति लेइ करि गांउ घुरल। गांउएक मुड़ांइ बसिके लगके कहलेइन जे मर भाइके कहि देहाक जेसे मके बाज-बाजनांइ घार ढुकाउ। अकर भाइ धरमा, करम गाड़ि नाच डेग माहान मातु आहे। अहे माहान अकर भाइए कहि पाठाल काथा टाके नि घामलेइक। करमांए ढेइर देरि तक देखलेइक अकर भाइ नि आउअल। भाभलाक, साला! एतना धन कामांए आउअल आहं आर मके मर भाइए पुछेइस तक निहि।

करमा रागाइ गेल आर दानदानाइके घार पहंचल। देखेइस 'धरमांइ' करम डाइर आनगांए गाड़ि गांउएक लगेक संगे नाच लागाल आहे भाभालाक! मंइ कामाइ करि आनम आर एहे निआर धन उड़ाताक! इ सउभ देखि सहे नि पारिके रागेक तापे गाड़ल करम डाइरके उखनांइ फेंकि देलेइक। से करम गिरलेइक त सात समुंदर लंका पारे। करमांए धरमाके भिनाइ देलेइक। 'ध रमा' छुटु रहे भाइएक काथा मानेइत रहे। भिनाल बादे दुइअ लग कर घार - करना आलादा - आलादा हेलेइन। करम डाइर फेंकल कारने करमाक 'करम बाम' लागलेइक।

देखते - देखते करमाक कामाल धन सिराए लागलेइक। धरमा धने - समपतिं बाढ़े लागल। 'करमाक' करम बाम लागल कारअने एसन समइ आउलेइक जे लगेक घार काम करे जाए हेलेइक। काम करि भुति आनेइत रहे सेटाउ घार आउते - आउते सिराइत रहेइक। एक दिन करमा आर अकर बहु धरमाक खेत काम करे गेला। सेइ दिनअ अकर भुति घार आनते - आनते सिरालेइक। रागाइके दुइ बुढ़ा - बुढ़िञ कहला! चाल! त तंए जंदे - जंदे, धान रपले आहिस तंदे - तंदे उखनाइ फेकिहिं आर मंइ जंदे - जंदे कदराल आहं सेइ बाटे बगड़ाए राखं। दुइअ गुटु करिके चलला।

दुइअ तिरि - पुरुसे बगड़ाए हेला, तखन एकटा साड़ा पाउला। जे 'करमा'! बका, नितर! तर 'करम बाम' लागल आहउ। करम राजाके उखनाए फेकले आसिक! तंए करम राजाके मानाए जांए! उ सात समुंदर लंका पारे आहे। करमा, करम राजाके मानाए चलल। डहरे जाते - जाते एकटा 'डुमेइर' गाछे लाल - लाल फरल डुमेइर देखे पाउलाक। भुख लागल रहेइक कहि खाए गेल। डुमेइर पाड़ि खाए खजलाक देखेइनला डुमेइरे पका धरल आहात। गाछेक मालिके कहेइकला, भाइ! कए - एक बछर लेक मर गाछ केउ फर खाए नि आउअत।

गाछेक मालिके पुछलेइक तंए कन हेकिस आर काहा जाहिस? करमाए निजेक कसटअ कहि - देलेइक आर कहलेइक मंइ एहे उदेसे जांउला। गाछेक मालिके कहलेइक ए भाइ! मरअ काथा रिचिक करम राजा के सुनाए देसिक। करमांइ कहलेइक ठिक आहेइक भाइ! तर टाइ आघु मर टाइ पेछु।

करमा आघुआले जाइस। पिआस लागलेइक। एकटा बांध देखे पाउलाक। पानि पिए बांध गेल। पानि हाथे उठालाक। देखेइनला गिसिल - गिसिल पका। नि खालाक। बांधेक मालिके कहेइकला, भाइ! मर बांधे आइज कए एक बछर लेक लगे पानि नि खातला। तंए काहां जाहिस आर

कन हेकिस? करमा निजेक बातरा कहि देलेइक। अकउ कहेइकला तर टाइ आघु 'करम राजाके' कहि देबेञ।

एसने करते करमा आघु बाटे बाढ़ल त 'चिउरा कुटा' बुढ़िके पाउलेइक। घड़ाक मालिकके पाउलेइक आर गाइ - बाछुर कर मालिक गउआरके पाउलेइक। करम पहंचल सात समुंदर धाइर। भाभेइस केसे पार हेम! एतने टांए एकटि 'कुमहेइर' मसतअ निजेक पिंठे गाछ लेके आउलि। कुमहेइरे निजेक कसटअ कहलेइक। पिठेक गाछ झड़तेइक कहि 'कुमहेइरे' करमाके पार करे लागलेइक।

करमांइ देखेइस अहे 'करम राजा' पका, माकड़ झुल - झाले फासल आहे। 'जिउ ना जाइक छटपटिक साद'। करमांए जाइके आकउआड़ि करलेइक आर साफा सुथरा करलेइक। करम राजा खुसि हेल आर कहलेइक जांइ - तंए मके 'भादर एकादसिक' दिने बिधि - बिधाने सेबा करबे! तर सभे दुख सिरातउ। करमा चलल।

डहरे कुमहेरे पाउलेइक! कुमहेइरे कहेइकला मर टा पुछलेसिक! किना कहलउ?

करमा - तके इठिन का कहि देलें, मके पार नि करबे! पेहिल तंए पार करें। करमाके कुमहेइरे पार करलेइक।

करमा - कुमहेइरके कहेइकला, तंए बेजाञ बदमास हेकिस! 'करमेइति छउना गिलिन नाहाए आउअल रहत, तखन तंए गिलल आसिन। तर पेटे बेजाञन सना - गहना आहउ! सना - गहना उलगि बामन - गसांइके दान करिहन! तबे तर पिठेक गाछ गिरतउ।

कुमहेइर - भाइ! बाभन - गसांइ काहां पाउबेइन! ले तबे तंए बामन आर तंए गसांइ। कुमहेरे सभे सना गहना उलगि देलेइक। करमांए सना - गहना धरि चलल।

आघु बाटे घड़ाक मालिके देखि आनाए हेलेइक। करमा जखन

पहंचल न कहलेइक! कि रे भाइ मर टाक किना हेलेइक?

करमा - तर भाइ करम बाम लागल आहउ। जखन छुटु - छुटु छउना गिलिन उपास करि जाउआ उठाए आउअल रहत, तखन तंए घड़ाके छुटाल रसिन आर अखरेके भिड़काल रहसिन। छउआ जाउआ डालि छाड़ि पाड़ाल रहत। अहे माहान तके बामन - गसांइके घड़ा दान करे हेतउ।

घड़ा मालिक - भाइ! मंए बाभन गसांइ काहां पाउबेइन! जा लेगिहन, तबे तंए मर बाभन आर गसांइ। करमांइ सना, गहना, घड़ांइ लादलाक आर चलल। आधु बाटे बाढ़ल तखन गउआरे डहर देखेइकला! गउआर पास करमा पहंचल।

गउआर - कि भाइ! करम राजाके मर काथा सुनाल रहसिक?

करमा - भाइ! तर काथा सुनालेञ, मिनतुक तंए जे भुल करले आहिस, अहे जालांइ तके करम बाम हेल आहउ। जखन करम राजाक पुजाक खातिर करमेइतिआ दुध ढारि देक जालांइ दुध मांगे आउअल रहत तखन तंए पानि मेसाइके देले रहसिन! सेइ तेहे तर करम बाम लागल आहउ। अहे जालांइ तके गाइ - बाछुर कनअ बामन - गसाञके दान करे हेतउ!

गउआर-बाभन गसाञ काहां पाउबेइन जा तंए मर बाभन गासाञ! तके दान करलं। करमांए एहे निआर करते करते बाँधेक पास आउअल, ताकर बादे डुमेइर गाछेक पास आउअल। सभेके निजेक दस कहि देले गेलेइन आर धन - समपति हुंड़िआले घार पहंचल। एहे निआर करमा 'करम राजाक' आसिसे एबार धन - समपति बतअ करे लागलाक आर पेति भादर एकादसि माहान 'करम राजा', 'करम ठाकुर' (सिब ठाकुर) कर पुजा बिधि - बिधाने करे लागलाक।

"जहाइर करम राजा!"

केहनि - 12
टुसु केहनि - 1 (किंबदति)

टुसु कुड़मि घारेक एकटि सुंदर छउआ रहि। तखन कर मुगल सासअके हरम माहान जर करि बिहा करे खजल अथिक। कुड़मिञ निजेक जाइतेक मान-धरम राखेक खातिर राइतअ-राइत उ राजाक राज छाड़ि पाड़ाला। बिहाने राजाक लगे जाने पाउलेथिन जे कुड़मि सउब राइतेइ पाराल आहात। राजाएँ सेना के आदेस देलेइन जे जाहाँ तक कुड़मि गेला खजि आनाहान। सेनाए पाराल संधान पाए पिछा करलेथिन। कतना नि कतना घुरेक बादे कुड़मिके देखि पाउलेथिन। सेइ तखन संथाल जाइते "सुहेइर" भागाल रथिक आर अहे सुहेइर मासेक पासेइ खाए खातिर बसि गेल रहत। राजा त मुसलमान रहे आर सेनाउ मुसलमान रहत सभे काए "तबा-तबा" करि राजा कर राइजे घुरि घुरला।

"टुसु" सुंदर रहि कहि केइ राजाक लभ लागल रहेइक। अे माहान अँए "टुसु" के कनअ हिसाबे हलउ पाएक चेसटा करेइत रहे। सेइ तेंहे राजाएँ कए एक बार सेना के पाठाए के धरि आनेक आदेस देलेइन मिनतुक कुड़मिञ आर संथाले टुसु के लुकाए लगलअथिक। जखन राजाएँ इ केरामत टा जानि गेलाक तखन सभे कुड़मि-संथाल के कड़ाए मारे लागलेइन। काकरअ हाथ टुटेइक, काकरअ गढ़ टुटेइक। इ रकम कर भाइ-बाप, दादाक अइताचार देखि'टुसुञ' सहे नि पारलाक आर नेदिञ झांप दे के जिबन सेस करलाक। एकरे इआइदे कुड़मि समाजे टुसुक पुजा सुरू हेलेइक।

एकर बादउ मुसलमाने दम सांताथिन। आर जर करि धरम मानाएक आदेस देथिन। एहे माइर पिट देखि कुड़मिञ कहलेथिन जे तहर धरम के कनअ न कनअ रूपे मानप। तखन ले कुड़मि बेटि छउआएँ आर बेसि खदा(गदना) लागाए निजेक रूप के बगड़ाए लागलअथिक जेसे मुसलमान

राजाक मन बेटि छउअ दिके ना टानाउन कहि। आर जे गहना गड़हाए लागला सेइ गिलिनउ अरबि भाषाएँ लिखाल महर पिंधे लागले थिन। जेटा आइज तक हामरा निमुद पाइह।

केहनि - 13
टुसु केहनि - 2

एकटा राजाक एकटि मातरअ बेटि रहि। बेटि टि दम सुंदर रहि। बेटिक नाम रहेइक "टुसु" राजाएँ "टुसु" के दम पेआर करेइत रहेइक। राजाक जिबनेक आधार "टुसु" रहि। सारा खन उठेक बसेक, खाएक-पिएक, आएक-जाएक खालि "टुसु" के अकर मने हेइक। "टुसु" के ले के राजाएँ परजा कउ खुस राखेइत रहेइन आर निजउ आननदे हेइत रहें। राजाक खुसि देखि सभे लग राइजेक खुसि रहत।

हेनअ संजगे राजाक बेटि "टुसु" किना रकम भरि गेल। उदिन लेक राजा ना त काकरअ संग काथा कहए ना त मने खुसि हेए। राइजेक लगे अकर चिंता देखि के एकटा फेंउ फॉड़ला आर राजा के कहलेथिक! जे तर बेटिके बछरे एक बार देखाबिह। तके एक बार देखि केइ खुसि हे हेतउ! राजाएँ कहलेइन हँ! ठिक आहेइक।

राजा निजेक बेटि के देखेक जालाएँ बेआकुल हेल। गाँउएक लगे ठिक "टुसु" निआरे माने अकर बेटि रकम आकरित बनाए के राजाक पास आनले थिक आर राजा के धुर लेक देखालेथिक। राजा "टुसु" के देखिके रिझे हे लागल। आर पेंति बछर माघेक पेहिला दिन "टुसु" बनाए राजा के देखाए लागलक अथिक। आर अहे दिन लेक "टुसु" कर चलन कुड़मि समाजे हेलेइक। केउ-केउ कहत कासिपुर राजाक बेटि रहि।

केहनि - 14

टुसु केहनि - 3

"टुसु" कुड़मि कमाजेक एकटि बिरंगना रहि। सभे के जुगेक हिसाबे चलेक, लड़ेक,आर गेआन सिखाइत रहेइन। घारके लगे एकर बिहा सेआन हेक पेहिल देले रहथिक। ससुर घारेक मानमरजादा राखि सभेक सेबा करेइत रहेइन। अकर पुरूस असामइक मरने टुसुक बेजाजन दुःख हेलेइक।तखन पुरूसेक चिता संग इह सति हेलि। आर अहेदिन लेक "टुसुक" पुजा हे लागलेइक।

इ गिला मन गंढत केहनि हेकेइक। जाकर जेसन मने आउलेइक लगे परचार करला। 'टुसु' सइसअ देबि हेकि एके "लखि" कहल जाइक।।

केहनि - 15

जितुआ करम-काथा

जितुआक लेके कुड़मि समाजे नाना रकम कर केहनि आहेइक मिनतुक मुल रूप एके आहेइक। इ पुजा टा छउआ पाउएक आर.छउआ के लामबा आइअक खातिर करत। केहिनि हेलेइक चमपक नगरे एक राँड़ि बेटिछउआक सुरजेक अउरसे छउआ जनमेक। सुरज देबे अके नाम "जिमुत बाहन देलेइक आर आसिस देलेइक जे तके इनदरअक माताएँ पुजा करतउ। इनदरअ माताएँ एक बरगाछेक हेठें जिमुतेक पुजा करए। सेइ बर गादे एक सिआरिन आर चिल बेजाजन पेरेमे रहेइत रहत। इ पुजा देखि अखरअ पुजा करेक मन करलेइक। चिले विधि बिधाने उपास करि पुजा करे मिनतुक सिआरिने बरअत भंग करए। अहे माहान सिआरिन कर सभे छउआ मरत। आर रागेक दिके चिलेक संग झागड़ा करए। आर झागड़ा करते करते आइगे

पड़ि मरत पड़ल वदे खार बानि ले दुइ टा फुल जनमेइक। सेइ फुल बहाए जाइक आन देखे उ देखेक राजक बहुञ आर मंतरिक बहुञ खात। दुइअ कर एकेक टि बेटि जनमअथिन।

बेटि जखन सेआन हेला न एक राजाक बेटा के आर एक मंतरिक बेटा के बिहा देथिन। मंतरिक बहु चिलेक रूप हेलि आर राजाक बहु सिआरिनेक रूप। दुइअ कर सात-सात टा बेटा हेलथिन मिनतुक राजाक बेटा नि बाचथिक। तखन रानिञ मंतरिक बेटा के मराए लागेइन। मिनतुक जितुआ पुजा करके कारअने अकर बेटा आरअ बाँचि घुरलेथिक। तखन राजाक बहुञ कहेइक तर छउआ केसे बाँचथुला? तखन मंतरिक बहुञ कहलेइक मएँ धरम करँअ। मएँ बछरि-बछरि नेगेक अनुजाञ जितुआ पुजा करँ। तएँ हेले लभि, अहे सिआरिन कर तएँ बंसेक लग। आघुक जनमेक काथा कउ।

एतना सुनिके आपन चिता बनाएके मरे गलि। एहे समइए सिब-पारबति धरति माहान आउअल रहत। पारबतिञ देखलेइग जे एकटि सुंदर नारि चिताएँ झांप देएक जालाँए जाइस। पारबतिञ सिब बाबा के पुछलेइक? सिबे कहलेइक! इ आघुक जनमे सिआरिन रहि। चिलेक संग जितुआ माने (जित बाहन) पुजा करेइत रहत। लभ टेकाए नि पारिके उपास भंग करल रहि, अहे माहान अकर छउआ नि बाचथिक। आर रागे जाकर ताकर छउआ के मराए लागेइन। अहे सिआरिन हेकि रानि। तखन पारवतिञ बुझि गेलाक आर जाए के रानि के कहलेइक। तएँ जितुआ पुजा करें बिधि ी-बिधाने तरअ छउआ बाचबअथु। उदिन लेक अएँअ जितुआ पुजा करलाक आर सात टा बेटा आरअ पाए घुरालेइन। एहे रकम कुड़मि घारे काथा सुनि जितुआ पुजा करत।

केहनि - 16
सेहरेइ (बाँदना)

माहादेबे जखन कुड़मि के चास बास करेक आदेस देलेइन तखन सभे कुड़मि चासे लागि गेला। तखन कुड़मिञ झुड़िञ-काठे हुड़ि चास करे लागला। भाभला सिकार करि खाए, हिंदे-हुंदे, हेजेड़-बेजेड़ लेक बेस चास करि खाएक। कुड़मिञ चास करे लागला। दिन-राइत खाटि मरअ-कटअ खाटत ताउ चासे बछर दिन खाएक नि पुरेइन। सभे कुड़मि मामला एसन माहान हामरा मरि जाप। चाला महादेब पास आर चासेक जालाएँ गरू-काड़ा मागबेइत। कुड़मि आउला माहादेब पास। आर बिनति करलेथिक। माहादेब-किना बेपार सभे जड़अ सड़अ हेके आउलेहेन? कुड़मि-माहादेब हामरे चास त करिहला मिनतुक पेट नि भरेइकला। हामरे के चासेक जालाएँ गरू आर काड़ा दे।

माहदेबे ननदि-भिरिंगि के डाकि आदेस देलेइन। जा एखर चास-बासेक जालाएँ जतना रकम कर जिब-जनतुक दरकार सभे के पाठाहान।

ननदि-भिरिंगि। माहादेब हामरे सउब के डाकि पास करिहतला। सभे के आदेस तएँ दिहन। सभे गरू-काड़ा, छागेइर, भेड़ि हेन-तेन पास. आउला।

माहादेब- जा! कुड़मिक सेबाक जालाएँ चलि जा ।

महादेबेक आदेस पाइतकेइ सभे गरू-काड़ा, छागेइर, भेड़ि कुड़मिक सग चलि आउला। कुड़मिञ रिति मत चास करत। एसन चास हे लागेइक जे एक बछरेक चास दुइ बछरउ खाए सिराए नि पारत। मिनतुक कुड़मि के माहादेबे कहल रहेइन जे डाँगर करअ सेबा करिहान।

कुड़मि धन-समपति पाए बेजाञन खुसि हेला। मिनतुक गरू-काड़ा के हेला-सारधा नि करे लागलेथिन। ताउ कुड़मिक सेबाक जालाएँ जिबन दे लागलेथिक। कुड़मिञ एक दुपहर, आड़बेरा तक हार जते लागत। गरू-काड़ा

के खाएक अबसर दे नि लागलेथिन। दरकार हेले सुखल गटा आउड़ि फेंकि देथिन।

एक दिनेक-दिने गरू-काड़ा रागाला आर सभेंए मिलि गुटु करला। कहला, एतना कसटअ आर नि सहा हेतेइक। चाला सिब बाबा के कसटअ टा कहि देबेइक। दिन धारिज करला आर एक दिन माहादेब पास चलला।

माहादेब- किना बेपार! आइज बिहाने-अनुगुताइ मर पास आउलेहेन?

गरू-काड़ा- महादेब! हामरे के बाँचाए। हामरे के तएँ हिंआ डाकि आने। आर लगेक संग हामरे नि रहे पारप। दम कसटअ देतला।

माहादेब- किना कसटअ हेउन ला?

गरू-काड़ा-माहादेब! न हामरे के बेस के खाए देत!

न बेस के रहे देत ।''खुखड़िडाक'' ले एक डॉग बेरा'' तक हारे घुरिह। अएँ बेसिआम खाइस आर हामरा कादा खेते डांड़ाँए रइहला। फिर बेसिआम लेक आड़-बेरा तक जतते रहत ला। आर घार आए के सुखल परा फेंकि देतला। भुखेक तासिले मुँह चालाए हेइक।

माहादेब- आरअ किना-किना कसटअ हेउन?

गरू-काड़ा- माहादेब आर त कहिस ना!

धान-बिंड़ा पचित पाँता तक लादि देता आर कादा खेत ले उठाए हेइक । उठाए पार, मिनतुक चलेक पेहिले ''लाद ले'' पिटि देत। गाड़ि काच-पाच करि टानि उठाइअ। मनेक सादे जदि काकरअ आबाद रिचिक चु करलिह, त पुँइछे टानि के कुदाए-कुदाए पिटत। आर कनअ निआर पसराला त आरना करि भाइए-भाइए लड़ा करात।

माहादेब-ठिक आहेइक तहरे एखन घुरि जा। माएँ कारतिक आमासे तहरे के देखे आउअम।

गरू-काड़ा- माहादेब, जरूर आउबे। माहादेब- ठिक आहेइक आउम।

कुड़मिज हेंदे गरू काड़ा ना देखि के भाभे लागत जे अनगुताइ

आइज बन बाटे काहे गेल रहत। गरू-काड़ा घार घुरला आर निजेक कामे लागला। मिनतुक इ बाझाल काथा कुड़मिञ जानत निहिं। समइ बितले गेलेइक देसेंञ आउलेइक। कुड़मि खेत, गाछ जागाए गेला। खेते चुनि छिंटि लखि के जागालेथिक। पारवतिञ कहलेइन- तरह गरू-काड़ा माहादेब के बाझाए गेल रहत। माहोबे काथा देले आहेइन जे कारतिक आभासे देखे आउअम।

तहरे बधे बेजाञन कसअट दिहान।

कुड़मि- निहि माँ लखि असन काथा ना लागेइक। हामर खाऐक पेहिल अखरे के खाऐक दिहत। अखर संगेइ सुतिह। पेहिल अखरे के खाऐक दिहत। अखर संगेइ सुतिह। रिचिकअ ऑइख ले धुर नि करिहत । गबर-पेसाबे बासाइक हलउ अखर पासेइ सुति रइहला।

पारबति- ठिक आहेइक तहरे सावधान हे जा।

सभे कुड़मिञ बसि गुटु करला आर कहला। चाला हार- जुआँइठ, कारहा-मेइर धए धुआ राखि देहाक। गरू-काड़ा के कारतिक आमास तक रजे धए आनि सिगें तेल माखाहन। घाँस काटि आनि पेट भरति खाउआहान। गहाइरेक हागि-मुति गाड़हा करल जाएगा के रूगड़ि माटि आनिभरि सम कराहाक। निते "राखा घास" के अनि खाउआहान। तिन दिन तक सेंहरेइ घास छाइने फेका। नाउआ चुलहॉए नाउआ सारउआएँ गरइआ पिठा बनाउआ आर गहाइरे पुजा करा। गरू-काड़ा के तेल सिंदुर ठपा देकरि नाना रकम साजाहान। धार-दुआइर लेसा मुदा करा।

माहदेबे इ सउब केरामत देखि अबाक हेल। गरू काड़ा के आमास दिन चउक पुरि काँचा दिआ जरि गहाइर भितराए लागलेथिन। माहादेब देखि के बेजाञन रिझे हेल आर गरइआ पुजा, बरद खेला, काड़ा भिड़का तक हुऑ रहि गेल। आर गरू-काड़ा के मिछा बाझाल खातिर साराप देलेइन आर कहलेइन। जा हर सारा जिबन कुडमिक संगे रहि दिन काटतउन दुखे सुखेः

रहि कुड़मिक सेबा करा। आर एहे दिन लेक कुड़मि समाजे बाँदना (सेहरेइ) परब उचरेइन हेलेइक।

केहनि - 17
भुञेक जनम

दुनिआ जखन पानिञ डुबल रहेइक तखन कनअ गाछ-पात, पालहा माटि नि रहेइक। बुढ़ा बाबाएँ भामलाक जादि इ दुनिआ माहान धरति हेइक त कतना बेस हेतेइक। एहे खेआल करि बुढ़ा बाबाएँ एकटि काछिम बनालेइक आर माटि उपर उठाए भुञ बनाएक आदेस देलेइक। काछिमे पानिक भितर लेक माटि आनए मिनतुक राखते साथ पानिक हेलकारिञ ध ाआए जाइक। काछिमें बेजाञन चेसटा करलाक मिनतुक नि पारलाक। सिब बाबाएँ (बुढ़ाबाबा) तखन पाँच हाथ देके खाँखड़ा बनालेइक मिनतुक एँअ माटि आनि भुञ नि बनाए पारलाक। नि बनाए पारल देखि के सिब बाबाक रागअ हेइकला आर चिनताए गरम बाहराइकला। गरम जखन गात ले बाहरा लेइक तखन दुइअ जाँघले दुइ टा मेइल बाहराए धँसे लागल। धंसते-धंसते दुअल लांबा हेलेइक आर सिब बाबाएँ जिउ डालि देलेइक। दुइ जिउ नर आर नारि हेला। एहे नर-नारि जेङटिक नामे जानाला। दुइअ के सिब बाबाएँ माटि आनि धरति बनाएक आदेस देलेइन।

जेङटि दुइअ आदेस पाए के पानिक पेंदा चलि गेला आर माटि मुँहे ले करि जामा करे लागला। मिनतुक सिब बाबाएँ भितरे-भितरे काम हेइकला सेटा नि जानेइत रहे। अहे माहान चिनता-फिकिरे पड़ि गेल रहे। हुंदे दुइअ जेङटिक छुआ-पुता हे लागलअथिन आर समेंए मिलि उ काम टा करे लागला। माटि धिरे-धिरे पानिक उपर आए लागलेइक आर पानि सुखते गेलेइक। सिब बाबा देखि के बेजाञन खुसि हेल। माटि पानि ले उपर

आउलेइक न डाँट हे गेलेइक। सिब बाबाएँ भाभलाक एकटा सुंदर जिउ जगतेक सिसटि करा जाए पारेइक। एसने करते करते गाछ पात-पालहा लग जन जिउ जनतुक धिरे-धिरे निरमान करलेइन आर एकटा सुनदर धरतिक अबिसकार हेलेइक।

केहनि - 18
मानुसेक सिसटि

जगअते जखन जिउ-परान गनअ नि रहेइक तखन बुढ़ा बाबाएँ आसते-आसते धरति कर निरमान करलाक। धरति के सुन्दर बनाएक जालाएँ एकेकटा जिउएक निरमान करलाक। अहे जिउएक भितरे मानुसेक सिसटि हेइक धरति माहान गाछ पात, पाहाड़-परबत कर जखन जनम हेइक तखने हाउआउ हेलेइक।

सिब बाबाएँ (बुढ़ा बाबा) मानुस के सिसटि करेक खातिर एक अँजुरा माटि उठालाक। माटि के थापि-थुपा गल करलाक। जेटाएँ गड़-मुँड़ हाथ देलेइक ताकर बादे आँइख, कान, नाक, मुँह बनालाक। मिनतुक अकर जिउ दे पारल रहेइक। बेजाइन दिनेक बादे अकर डमरूक डराक खाँड़ा ले जिउ मुँहेक भितरे ठुसलाक। ताकर बादउ गाते जिउ नि आउलेइक। तखन सिब बाबा अहे ठिन का डमरू बाजाए नाचे लागल। नाचे जखन लागल आर डमरू जखन बाजाए तखन गात काँपे लागलेइक। एसने काँपते-काँपते आँइख-कान नाक सभे सजिब हे कलेइक। आर मानुस कर सिसटि हेइक। मिनतुक अकर संग रहेक आर बंस बाढ़ाएक जालाए बेटिछउआक दरकार हेइक। तखन सिब बाबाएँ निजेक नेगा गड़ेक हाड़ ले एकटि बेटि छउआक सिसटि करेइक। आर दुइअ के एक संग रहेक आदेस देलेइन। एखर नाम रेंगहा बुढ़ा आर रेंगहि बुढ़ि हेलेइक।

दुइअ बने रहि फल-फूल खाइत रहत मिनतुक एक संग नि निदाइत रहत। सिब बाबाए मामलाक जदि एक संग नि निदाता ता हले आघु बाटे सिसटि केसे हेतेइक। एक दिन सिब बाबाएँ कहलेइन। आइज मर संग खाए बसा। दुइअ सिब बाबा संग खाए बसला। सिब बाबाएँ दुइअ के 'सिधि' (हाँड़िआ) खाउआलेइन। दुइअक उपरे गरमि, उरजा आउलेझइन ताकर बादे एक संगे सुते लागला आर सिसटि आघु बाटे बाढ़ले गेलेइक। रेंगहा बुढ़ा आर रेंगहि बुढ़ि कुड़मिक आदि माता-पिता हेला।

केहनि - 19

पुइतु बुढ़ा और पुइतु बुढ़ि

पुइतु बुढ़ा आर पुइतु बुढ़ि के जखन-तखन बनेक सिआरे तंग करेइत रथिन। एक दिन पुइतु बुढ़ि बन पात तरे गेलि। पाते खाँचि भरि गेलेइक। एखन पुइतु बुढ़िञ उभे नि पारेइस। तखन बने गंदराइलि- आउआ न रे केउ मर बझा टा तुनगि दे! सिआर कुदि आउला। सुधिआलेथिक- बुढ़िके? एतना पात किना करबे? बुढ़िञ कहलेइन- तहर पुइतु बुढ़ा मरल आहे अकर भज करम। तहरउ सभे बनेक सिआर आउइहा! सिआरे रिझे-रिझे बुढ़ि के पात खाँचि तुनगि देलथिक।

दिनेक हिसाबे सभे सिआर, पुइतु घार भज खाए पहँचअला। पुइतु बुढ़िञ सभे सिआर के बाँधे लागलेइन। तखन सिआरे सुधिआलेथिक बुढ़ि हामरे के काहे बाधिसला? बुढ़िञ कहलेइन- तहरे सिआर जाइत लुटा-लुटि करबेहेन। अहे जालाएँ सभे के आलादा-आलादा खाए देबअहन। सभे सिआर के बाधलेइन मिनतुक बाँड़ा सिआर के चिहड़ लताएँ बाँधेइक। बाँड़ा सिआर सभे सिआरेक राजा रहे। पुइतु बुढ़ा के आर धाइरे डाँग लेके बसल रहे।

सिआरेक मन भज खाएक जालाएँ छटपटाइकला। बुढ़ि के कहलेथिक-बुढ़ि जा भज आने। बुढ़िञ कहलेइन- रिचिक काँदि लेम। बुढ़ि काँदलि- डाँग लेके बाहराएँ रे पुइतु बुढ़ा सउब सिआर के एक डॉग बॉड़ा सिआर दस डॉग। पुइतु बुढ़ा बाड़का डॉग लेके कुदि बाहराल आर सभे सिआर के एकेक डॉग बसालेइन बॉड़ा सिआर के दस डॉग देलेइक। सभे सिआरे कनअ निआर डरा छिटाएँ पाराला। कहलेथिक रा रे पुइतु बुढ़ा तर साँढा चराए देबिह!

दसर दिन सभे सिआर पुइतु बुढ़ाक साँडहा चराए पहचँला। पुइतु बुढ़ा साँड़हाक मांझे एकटा हॅसुआलेके बसल आहे। एकटा सिआर मुँड़ झिकलाक तखन हॅसुआ टाएँ टान ले मारेइक। कहि देइन बड़े सॉड़हा टा हेके। देसर टॉए मुँड़ झिकए न अकउ टान से मारेइक। तखन अऍअ कहए हँ रे भाइ बड़े टा हेके। बॉड़ा सिआरे मुँड़ झिंकलाक तखन अके दम जरे टान के देलेइक। बॉड़ा सिआरे बुझि पाउलाक! निहि रे साला सउब पुइतु बुढ़ा हेके। सउब सिआर पाराला आर कहलेथिक। रा रें पुइतु बुढ़ा तर हारे गिचि करि देबिह।

दसर दिन पुइतु बुढ़ा जनलाक जे मर हारे गिचि करता। तखन हारेक साँइड़े खुर बॉधि देलेइक। राइते सभे सिआर पहचँला। आऱ हारे गिचि करे लागला। गिचि करते करते सभेक लेढ़िआ काटालेइन। उदिन लेक आर सिआरे पुइतु बुढ़ा के तंग नि करथिक।

केहनि - 20

कढ़ि

एकटा कढि रहे। कनअ काम उधम नि करए। खालि खाए आर गाछ फेड़े बसे जाए। माँए-बापे कतनअ कहले काम उधम नि करए। काम करताक कहि बिहा करि देलथिक मिनतुक ताउ कामे हाथ नि देइक। अकर बहुञअ रागाए लागलेइक। तखन एक दिन बुढ़ा टाँगा लेकरि रागाए के बन बाटे काम खजे बाहराल। कढ़ि एसन डहरे बने चलल जे डहरे कनअ दिन लग नि चलत। अहे बनेक डहरे राइकस पाउआत।

कढ़ि चलल बनेक उहरे। कतना निकतना धुर गेल बादे एकटि राइकसे देखि पाउलेइक। राइकसे कहेइकला- आउ बेजाञन दिनेक बादे मानउआ कर माँस खाम। कढ़िञ कहलेइक-बेजाञन दिन खजल बादे आइज पाउअले आहँ तके! तएँ ढेइर लग खाए के सहजल आहिस। कढ़ि राइकस कर पास पहँचल आर दुइअ धरा-धरि हेला। पटका-पटकि हेला। केउ हाइर नि मानत। तखन कढ़िञ, बुढ़ा टागाएँ चटाए देउक । राइकस चितपातान हे गिरेइलि। तखन कढ़िञ कहलेइक-एखन त तके पासा बाटे चटाल आहँ। चख बाटे चटाले किना हेबे! राइकसे कहलेइक- बाबा! मके बाचाएँ आर ना चटाइस! तके एकटा गुन देबँ।"

कढ़ि - आने जाएँ। राइकसे एकटा तेलाइ आनि देलेइक। कहलेइक तेलाइ के जतना खाएक पिठा मागबेसिक अतना तके देतउ।

कढ़ि- आइज ले कनअ लग के इ डहरे चलले खासिन ना।

राइकस-ठिक आहेइक। तएँ जेसन कहबे तेसने हेतेइक।

कढ़ि बन माझे आरअ आधु बाटे चलले गेल। आधुञ आर एकटि राइकस के देखि पाउअलेइक। भाभलाक डाराले त मके माराताक। अहे माहान साहास धरलाक।

राइकस- आउ। बेजाञन दिनेक बादे मानुस कर संगे देखा हेल आहेइक। कतना दिन लेक लगेक माँस नि खाले आहँ। आइज त खाम।

कढ़ि- बेजाञन दिन लेक तएँ लग के खाए हेउआल आहिस । गटा बने तकेइ खेजे बाहराल आहँ। आइज तर संग भेंट हेल आहि। आइज तएँ रहबे नि हले मएँ रहम। दुइअ धरा-धरि हेला। पटका-पटकि हेतला तखन किना रकम कढ़िञ बुढ़ा टाँगाए कापाड़े चटालेइक। राइकस उतना हे गिरेइलि। कढ़िञ कहलेइक एखन त चख बाटे चटाले नेखँ एतना कहते-कहते राइकसे कहलेइक-भाइ मके बाँचाए। आर ना चटाइस। तके एकटा गुन देबँ! कढ़ि-किना गुन। जा आने? राइकसे एकटा छागेइर आनि देलेइक। कहलेइक छागेइर के जतना मारबेसिक अतना सना-गहना उलटि करतेइन। कढ़ि छागेइकर धरि चलल आर कहलेइक। आइज ले इ डहरे केउ लग आउले खासिन ना नि हले तर जिबन लेबँ।

कढ़ि आघु बाटे चलल। आघु बाटे आर एकटि राइकस संग अकर भेट हेउक अकर संगउ अहे निआर झागड़ा। आर अएँअ कढ़ि के एकटा गुन आनि देलेइक। राइकसे अके एकटा ढाक देलेइक। आर कहलेइक इटाक भितरे तुमलि आहात। जखन तर बाचेक मसकिल हेतउ तखन तएँ कहबे-बाहराएँ मिता जाके ताके। तुमलिञ सभे लग के बाहराए बिंधे लागबेथिनि। कढ़ि लेके चलल आर कहलेइक आइज लेक कनअ लग के इ डहरे चलले खासिन ना। राइकसे कहलेइक ठिक आहेइक तएँ जेसन कहबे तेसने हेतेइक।

कढ़िक साइझ हेलेइक न एकटा गाँउएँ बासा रहल। गाँउएक लग एकर तेलाइ छागेइर कर गुन देखि राइतअ-राइत बदल करि देलथिक। जेसन तेलाइ रहेइक तेसने तेलाइ आनि देलथिक। आर जेसन छागेइर रहे असने छागेइर आनि पालटि देलथिक। मिनतुक ढाक टा नि बदल करत। कढ़िञ इ सउब कनअ नि जानए आर घार घुरि गेल। घारे अकर बहुके कहेइकला-

देख-गे-किना आनलँ। बहु-तहरे आर किना आनबे हेन! काम उधमेक ठेकान नेखउन। देखु! देखाउआ। तखन कढ़िञ छागेइर के दम पिठटेइक, मिनतुक छागेइरे आर सना नि उलगेइन। तखन तेलाइ के पिटेइक। मिनतुक तेलाइअउ पिठा नि बाहराइक। कढ़िञ बुझि पाउअलाक जे बासा सुतल गाँउकए लगे मके चेंदले आहात।

कढ़ि ढाक घरि आबार अहे गाँउ जाए घुरल जे गाँउए बासा रहे गाँउएक लगे भाभला आइजउ कनअ नि कनअ आनले आहे। एतना कहि सभे पास हेला न कढ़िञ ढाक के कहलेइक बाहरा मिता जाके-ताके। ढाक ले तुमलि बाहराए जाके-ताके बिंधे लागले थिन। लगे दिसा नि पाए लागला। तखन कहला ए रे भाइ बाँचाए बाँचाए। तर लेल तेलाइ आर छागेइर हामरे घुराए देबिह। तखन कढ़िञ तुमलि के कहलेइन सामा मिता ढाके-ढाके! सउब तुमलि ढाके सामाला। आर गाँउएक लगे अकर ताहाँ ले लेल तेलाइ आर छागेइर घुराए देलथिक।

कढ़ि तेलाइ छागेइर आर ढाक ले घार घुरल आर गटा जिबन बसि खाए लागलाक।

डॉ. वृंदावन महतो



जन्म : 17 जनवरी 1958
गाँव : बादला (तमाड़),
जिला : राँची (झारखंड)
पिता : स्व. खेत्र महतो
माता : श्रीमती लीलो देवी

कुड़मालि भाषा-साहित्य में डॉ. वृंदावन महतो एक सुपरिचित नाम है। कुड़मालि भाषा-साहित्य, समाज और संस्कृति के विकास के लिए आप पिछले दो दशकों से भी अधिक समय से एक लोकप्रिय लेखक, गायक और कलाकार के रूप में लगातार सक्रिय हैं। अपने लेखों तथा सृजनात्मक गद्य साहित्य के लेखन से आपने कुड़मालि शिष्ट साहित्य को समृद्ध तो किया ही है, उसे एक वैचारिक आवेग भी प्रदान किया है। कुड़मालि भाषा-साहित्य में उल्लेखनीय योगदान के लिए झारखंड स्वायत्त परिषद् द्वारा 1995 में आप सम्मानित हो चुके हैं। कुड़मालि भाषा के उत्थान के लिए सी. आई. आई. एल., मैसूर एवं न्यू लिंग्विस्टीक सर्वे ऑफ इंडिया, भारत सरकार से जुड़कर आपने महत्वपूर्ण कार्य किया है तथा स्थानीय एवं राष्ट्रीय स्तर की विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में अब तक आपकी अनेक रचनाएं प्रकाशित हो चुकी हैं।

'कुरमाली लोकगीत : एक समाजशास्त्रीय अध्ययन', 'चासिक हाल' (अनुवादित नाटक), 'सती सुलोचना' (संपादित) और 'कुड़मालि छितराल साहित' प्रकाशित पुस्तकें.

संप्रति आप मारवाड़ी कॉलेज, राँची में जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग में कुड़मालि के प्राध्यापक हैं और झारखंडी भाषा साहित्य संस्कृति अखड़ा व आदिवासी कुड़मी समाज से सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं।

PYARA FOUNDATION
प्यारा केरकेट्टा फाउण्डेशन
चेशायर होम रोड, बरियातु, राँची-834009 झारखण्ड

ISBN : 978-93-81056-26-4